सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

# परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 304, नई दिल्ली । रविवार, 12 जनवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 रमेश बिधूड़ी दिल्लीवालों को बताएं, 10 साल सांसद रहते हुए उन्होंने क्या काम किए

06 मानसिक स्वास्थ्य परामर्श में करियर क्यों बनाएं?

08 रघुवर दास ने दुबारा भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

# डीटीसी कर्मचारी व बस मार्शलों के मुद्दे आप के लिए हैं बड़ी चुनौती, जानिए दिल्ली चुनाव पर कितना होगा असर ?

संजय बाटला

**नई दिल्ली:** दिल्ली विधानसभा चुनाव के मतदान में अब एक माह से कम का वक्त बचा है. आम आदमी पार्टी (आप) के लिए चुनौतियों की सूची लंबी होती जा रही है. मुख्यमंत्री आतिशी ने दिल्ली ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (डीटीसी) के कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया था, लेकिन इन मांगों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे कर्मचारियों में आम आदमी पार्टी की तरफ काफी रोष है. वहीं, दूसरी ओर दिल्ली की बसों में महिला सुरक्षा के लिए तैनात बस मार्शलों को नौकरी से हटाया जाना और उनका जनहित दल से चुनाव लड़ना आम आदमी पार्टी के लिए नई राजनीतिक मुश्किलें खड़ी कर सकता है.

**डीटीसी कर्मचारियों की मांगें और नाराजगी:** डीटीसी कर्मचारी लंबे समय से वेतन बढ़ोतरी, नौकरी की शर्तों में सुधार और स्थायी नियुक्तियों जैसी प्रमुख मांगे कर रहे हैं. मुख्यमंत्री आतिशी ने व्यक्तिगत रूप से इन मांगों को गंभीरता से लेने का वादा किया था. हालांकि कर्मचारियों का कहना है कि सरकार ने केवल आश्वासन दिए हैं, जबकि जमीनी स्तर पर स्थिति जस की तस बनी हुई है. इससे डीटीसी कर्मचारियों के बीच असंतोष बढ़ गया है, जो दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के खिलाफ वोटिंग पैटर्न को प्रभावित कर सकता है.

"डीटीसी कर्मचारी आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार से नाराज हैं. डीटीसी के कर्मचारी जनता से सीधे जुड़े हैं. एक कर्मचारी एक दिन में 500 से अधिक लोगों से मिलता है. यदि कर्मचारी आम आदमी पार्टी के खिलाफ अभियान चलाते हैं, तो इसका असर निचले तबके और मध्यम वर्ग के मतदाताओं पर जरूर पड़ेगा."-ललित चौधरी, अध्यक्ष, डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन

**बस मार्शलों का मुद्दा भी नुकसानदायक:** दिल्ली की बसों में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बस मार्शल नियुक्त किए गए थे. महिला सुरक्षा दिल्ली सरकार की एक प्रमुख पहल है और बस मार्शल इस पहल का हिस्सा थे. दिसंबर 2024 में 10 हजार से अधिक बस मार्शलों को नौकरी से हटा दिया गया. बस मार्शलों का कहना है कि जिस नोटिस से उन्हें नौकरी से हटाया गया उस पर केजरीवाल के भी हस्ताक्षर हैं, जिससे बस मार्शलों की नाराजगी चरम पर है. पांच बस मार्शल जनहित दल के टिकट पर दिल्ली चुनाव लड़ने जा रहे हैं. ये घटना सीधे तौर पर आप की छवि पर चोट करती है, क्योंकि बस मार्शल योजना को पार्टी ने अपने महिला सुरक्षा एजेंडे के तहत प्रचारित किया था. बस मार्शल इसी एजेंडे को मुद्दा बनाकर चुनाव प्रचार करेंगे.

"डीटीसी कर्मचारियों और बस मार्शल के मुद्दे से आम आदमी पार्टी को बहुत ज्यादा नुकसान नहीं होगा. क्योंकि इनकी सेवाओं से जुड़े मामले में आम आदमी पार्टी अकेले कुछ नहीं कर सकती थी. विभागों और उपराज्यपाल की तरफ से ठोस कार्य नहीं किए गए हैं.'-जगदीश ममगांई, राजनीतिक विश्लेषक

**आम आदमी पार्टी की छवि पर क्या पड़ेगा असर:** आम आदमी पार्टी ने ईमानदार और संवेदनशील सरकार का नारा देकर सत्ता हासिल की थी. इन मुद्दों पर सरकार की निष्क्रियता से मतदाताओं के बीच यह धारणा बन सकती है कि आप केवल वादों की राजनीति कर रही है. इससे आगामी चुनाव में पार्टी को राजनीतिक नुकसान हो सकता है. हालांकि दिल्ली की राजनीति पर नजर रखने वाले राजनीतिक विश्लेषक जगदीश ममगांई का कहना है कि डीटीसी कर्मचारियों और बस मार्शल के मुद्दे से आम आदमी पार्टी को बहुत ज्यादा नुकसान नहीं होगा. क्योंकि इनकी सेवाओं से जुड़े मामले में आम आदमी पार्टी अकेले कुछ नहीं कर सकती थी. विभागों और उपराज्यपाल की तरफ से ठोस कार्य नहीं किए गए हैं।

# मुख्यमंत्री मोहन माझी 12 को कुंभ मेले के लिए हाईएंड प्रीमियम बसों का उद्घाटन

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

**भुबनेश्वर :** श्रद्धालु ओडिशा राज्य सड़क परिवहन निगम (ओएसआरटीसी) की आरामदायक बसों में बैठकर उत्तर प्रदेश के महाकुंभ मेले में जा सकते हैं। विभागीय सूत्रों के अनुसार 12 तारीख को मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी इस हाईएंड प्रीमियम बस सेवा का उद्घाटन करेंगे।ओएसआरटीसी द्वारा बस सेवा मार्ग का विवरण दिया गया है।बस पुरी से निकलकर भुवनेश्वर, बारीपदा, रांची, जमशेदपुर, औरंगाबाद, वाराणसी, प्रयागराज होते हुए अयोध्या पहुंचेगी। संबलपुर से रवाना होने वाली बसें राउरकेला, रांची, औरंगाबाद, वाराणसी, प्रयागराज से अयोध्या जाएंगी। भवानीपटना से नुआपाड़ा-बिलासपुर मार्ग से बसें अंबिकापुर, वाराणसी, प्रयागराज से अयोध्या जाएंगी। ब्रह्मपुर से फुलबनी झारसुगुड़ा, अंबिकापुर मार्ग से अयोध्या तक बसें चलेंगी।

12, 13, 18, 20, 24, 27, 30 जनवरी और 2, 5, 9, 11, 16, 17, 24, 25 फरवरी को 4 निर्धारित शहरों से बस कुकमेला के लिए प्रस्थान करेगी। यात्री www.osrtc.org वेबसाइट या OSRTC ऐप के जरिए टिकट बुक कर सकते हैं। अन्यथा टिकट बस स्टैंड पर ओएसआरटीसी के टिकट काउंटरों से भी खरीदे जा सकते हैं। यात्री सहायता के लिए 24 घंटे का हेल्पलाइन नंबर 1800-345-1122 और एक व्हाट्सएप नंबर 78490052205 जारी किया गया है। ओएसआरटीसी ने संकेत दिया है कि महिला तीर्थयात्रियों के लिए टिकट की कीमतें 50% कम होंगी।

# नोएडा एयरपोर्ट से जुड़ सकता है एनएच-3, नया रोड बनाने पर हो रहा विचार; जानिए प्राधिकरण का क्या है प्लान

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एनएच 34 से जोड़ने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। प्राधिकरण और एनएचएआई के अधिकारियों के बीच पहले चरण की वार्ता में एलाइन्मेंट को लेकर विचार-विमर्श हो चुका है। जल्द ही इसका ठोस प्रस्ताव तैयार हो जाएगा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे गंगा एक्सप्रेस-वे और यमुना एक्सप्रेस-वे से भी एयरपोर्ट को जोड़ा जाएगा।

- जेवर सिकंदराबाद मार्ग का कुछ हिस्सा एयरपोर्ट की जमीन अधिग्रहण में हो चुका है शामिल।
- एनएच 34 के लिए जेवर से जहांगीरपुर, झाझर होकर दिया गया है वैकल्पिक मार्ग।

**ग्रेटर नोएडा।** नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एनएच 34 से कनेक्टिविटी की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। प्राधिकरण व एनएचएआई (NHAI) के अधिकारियों के बीच पहले चरण की वार्ता में एलाइन्मेंट को लेकर विचार विमर्श हो चुका है। जल्द ही इसका ठोस प्रस्ताव तैयार हो जाएगा।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की राष्ट्रीय राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे से कनेक्टिविटी के लिए लिंक रोड का नेटवर्क तैयार हो रहा है। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे को एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी के लिए फरीदाबाद के नजदीक बल्लभगढ़ से एयरपोर्ट तक 31 किमी लंबा लिंक मार्ग लगभग तैयार हो चुका है।

गंगा एक्सप्रेस-वे से नोएडा एयरपोर्ट तक लिंक एक्सप्रेस-वे का एलाइन्मेंट यूपीडा ने तैयार किया है, लेकिन अभी तक एनएच 34 से नोएडा एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी नहीं है। इसे पूरा करने के लिए नए मार्ग की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। यमुना प्राधिकरण व एनएचएआई के अधिकारियों के बीच एक दौर की वार्ता हो चुकी है।

इसमें एलाइन्मेंट को लेकर चर्चा की गई है कि नोएडा एयरपोर्ट की एनएच 34 से कनेक्टिविटी सिकंदराबाद से हो या खुर्जा से होनी चाहिए। प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया का कहना है कि अभी शुरुआती चर्चा हुई है। ठोस प्रस्ताव आने पर कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी।

**नोएडा एयरपोर्ट के पहले चरण में जेवर सिकंदराबाद मार्ग का हिस्सा हो चुका है अधिगृहीत**

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण में छह गांव की 1334 हे. जमीन अधिगृहीत हुई है। इस अधिग्रहण में जेवर सिकंदराबाद मार्ग का करीब तीन किमी हिस्सा भी अधिगृहीत हो चुका है। जेवर से जहांगीरपुर, झाझर होकर सिकंदराबाद वैकल्पिक मार्ग बनाया गया है।

इससे पहले एयरपोर्ट की खुर्जा से कनेक्टिविटी पर विचार हो चुका है, लेकिन इस पर कोई आगे कार्रवाई नहीं बढ़ी है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को गंगा एक्सप्रेस-वे से जोड़ने के लिए प्रस्तावित लिंक एक्सप्रेस-वे भी एनएच 34 से होकर यमुना एक्सप्रेस-वे को जोड़ेगा। यह एक्सप्रेस-वे न्यू नोएडा के साथ यमुना प्राधिकरण के अधिसूचित गांवों से गुजरते हुए फिल्म सिटी के नजदीक यमुना एक्सप्रेस-वे से जुड़ेगा। इसका एलाइन्मेंट एनएच 34 को एयरपोर्ट से जोड़ने के लिए नए मार्ग के एलाइन्मेंट में अड़चन बन सकता है।

# नोएडा के वाहन चालक ध्यान दें! 26 जनवरी से हुई इसकी अनिवार्यता वरना पंप पर नहीं मिलेगा पेट्रोल; डीएम ने जारी किया आदेश

नोएडा के दोपहिया वाहन चालकों के लिए जरूरी खबर है। 26 जनवरी से बिना हेलमेट पेट्रोल पंप पर नहीं मिलेगा पेट्रोल। जिलाधिकारी ने हादसों को रोकने के लिए यह आदेश जारी किया है। जिनके पास हेलमेट नहीं है उन्हें खरीदने के लिए सात दिन का समय दिया गया है। नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माना और दंड का प्रावधान है।

परिवहन विशेष न्यूज

**ग्रेटर नोएडा।** यह सूचना दो पहिया वाहन चालकों के लिए महत्वपूर्ण है। यदि 26 जनवरी से बिना हेलमेट लगाए पंप पर पेट्रोल भरवाने पहुंचे तो नहीं मिलेगा। जिनके पास हेलमेट नहीं है, उन्हें खरीदने के लिए सात दिन का मौका दिया गया है। इस संबंध में जिलाधिकारी ने जिलेभर के पेट्रोल पंप संचालकों व मालिकों को निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया जिले में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता के लिए हेलमेट नहीं पहनने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की रोकथाम के लिए पेट्रोल पम्प संचालकों को निर्देशित किया गया है। अब कोई भी पंप संचालक बिना हेलमेट पहन कर आने वाले दो पहिया वाहन चालक को पेट्रोल नहीं देंगे।

**दोनों बाइक सवार का हेलमेट लगाना जरूरी**

बताया यदि दो पहिया वाहन पर दो लोग सवार हैं तो दोनों का हेलमेट पहने होना अनिवार्य होगा। बताया नियमों का उल्लंघन करने वाले के खिलाफ जुर्माने व दंड का प्रावधान है। उन्होंने पेट्रोल पंप संचालकों और मालिकों को निर्देश दिए कि अगले सात दिन में अपने-अपने यहां इस संबंध में होर्डिंग लगवाएं। इसके साथ ही इस अंतराल में बिना हेलमेट पहने पेट्रोल भरवाने आने वाले दो पहिया वाहन चालकों को इन निर्देश के संबंध में जागरूक भी करें।

**26 जनवरी से इस नियम को किया जाएगा अनिवार्य**

जिलाधिकारी ने कहा कि 26 जनवरी से यह नियम लागू होगा। कहा सभी पेट्रोल पंप संचालक यह भी सुनिश्चित करेंगे कि उनके प्रतिष्ठान के सीसीटीवी कैमरे 24 घंटे चालू रहें। ताकि किसी भी विवाद की स्थिति में फुटेज के आधार पर आरोपितों की पहचान कर कार्रवाई की जा सके।

# वाराणसी में घटे ब्लैक स्पॉट : इन स्थानों पर बढ़े हादसे, सुरक्षा के लिए किए जा रहे काम

परिवहन विशेष न्यूज

**वाराणसी।** वाराणसी में सड़क हादसों को कम करने के लिए सुरक्षा समिति काम कर रही है। ज्यादातर स्पॉट पर सड़क मरम्मत और चौड़ीकरण कार्य के चलते हादसे हो रहे हैं। यहां विशेष सावधानी बरती जा रही है।

इधर कुछ साल में हाईवे पर सड़क हादसे बढ़े हैं। हालांकि सरकारी आंकड़ों में जिले में नौ ब्लैक स्पॉट में अब सिर्फ शहर के पांच ब्लैक स्पॉट ही चिह्नित हैं। रोहनिया में दो, लोहता और रामनगर कटेसर और पड़ाव सूजाबाद में एक-एक ब्लैक स्पॉट बने हैं। परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की ओर से इस ब्लैक स्पॉट को खत्म किए जाने का प्रयास किया जा रहा है।

सड़क सुरक्षा समिति की रिपोर्ट में सिर्फ पांच ब्लैक स्पॉट है। अन्य सभी ब्लैक स्पॉट को खत्म किया जा चुका है। अब वहां दुर्घटनाएं नहीं होती हैं।

परिवहन अधिकारियों के अनुसार एनएच-7 रोहनिया में मोहनसराय बाईपास, रोहनिया के ही अमरा अखरी बाइपास और एनएच-98 लोहता में धमरिया और रामनगर के कटेसर और रामनगर-पड़ाव-सूजाबाद मार्ग पर ब्लैक स्पॉट हैं। ज्यादातर स्पॉट पर सड़क मरम्मत और चौड़ीकरण कार्य के चलते हादसे हो रहे हैं। इन्हें खत्म किए जाने पर काम किया जा रहा है।

परिवहन अधिकारियों ने बताया कि कम समयावधि के दौरान ब्लैक स्पॉट को खत्म करने के लिए संकेतक लगाते हैं, जेब्रा क्रासिंग, साइड रोड पर ब्रेकर, सफेद पट्टी, सोलर लाइट और हाईमास्ट लाइट लगाते हैं। वहीं, लंबे समय से बने ब्लैक स्पॉट को समाप्त किए जाने को लेकर रिसर्च, योजनाएं बनाई जाती हैं।

**बोले अधिकारी**

सड़क सुरक्षा माह के तहत ब्लैक स्पॉट और अन्य स्थानों पर लोगों और वाहन चालकों को जागरूक किया जा रहा है। कोहरे को देखते हुए वाहनों के पीछे रेट्रो रेफ्लेक्टिव टेप भी चस्पा कराया जा रहा है। **- श्याम लाल, संभागीय परिवहन अधिकारी, प्रवर्तन**

# सर्दियों में बढ़ जाती हैं दांतों से जुड़ी समस्याएं, ओरल हेल्थ बेहतर बनाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

सर्दियों में सेहत से जुड़ी कई समस्याएं बढ़ जाती हैं। सेहत के साथ-साथ इस मौसम में दांतों से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ जाती हैं। आमतौर ठंडी हवाएं और विटामिन-डी की कमी की वजह से दांतों में दर्द झनझनाहट मसूड़ों में सूजन आदि बढ़ जाती है। ऐसे में कुछ बातों को ध्यान रख आप अपनी ओरल हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं।

सर्दियों में कई तरह की समस्याएं लोगों के लिए परेशानी की वजह बनी रहती हैं। सेहत के साथ-साथ यह मौसम स्किन-बालों और दांतों के लिए भी काफी मुश्किलों भरा होता है। ठंड के दिनों में दांतों से जुड़ी समस्याएं भी काफी आम हो जाती है। खासकर अगर आपके दांत सेंसिटिव हैं, तो कुछ गर्म या ठंडा खाना मुश्किल हो जाता है।

कुछ भी खाने या पीने से अगर आपको भी दांतों में दर्द या झनझनाहट महसूस होती है, तो यह दांतों से जुड़ी समस्याओं का संकेत हो सकता है। आमतौर पर बैक्टीरियल इन्फेक्शन, कैल्शियम की कमी या कमजोर दांतों की जड़ों की वजह से दांतों से जुड़ी समस्याएं होती हैं, जो सर्दियों में और भी बढ़ जाती है। यही वजह है कि ठंड में इनका ध्यान रखना जरूरी है। आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे सर्दियों में दांतों की देखभाल के कुछ तरीके-

**सर्दियों में होने वाली दांतों की समस्याएं**

कैविटी
झनझनाहट
इन्फेक्शन
जबड़ों में दर्द
दांतों में दर्द
मसूड़ों में सूजन और दर्द

सर्दियों में क्यों होता है दांत दर्द?

ठंड के मौसम में अक्सर दांतों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि सर्दियों में ठंड हवा की वजह से दांतों की लेयर्स सिकुड़ जाती है, जिससे दांतों पर दवाब पड़ता लगता है। इसकी वजह से दांतों में सेंसिटिविटी और दर्द की समस्या बढ़ सकती है। इसके अलावा सर्दियों में सूरज की रोशनी की कमी के चलते विटामिन-डी की कमी होने लगती है, जिससे भी दांतों में दर्द और सेंसिटिविटी बढ़ सकती है।

**सर्दियों में कैसे रखें दांतों का ख्याल?**

सर्दियों में दांतों की इन समस्याओं से बचने के लिए जरूरी है कि इस मौसम में अपने दांतों का खास ख्याल रखें। इसके कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है-

सबसे पहले और जरूरी दिन में दो बार दांतों को ब्रश जरूर करें।

बहुत ज्यादा ठंडा या गर्म खाने-पीने से बचें।

अच्छी तरह हाइड्रेटेड रहे और दांतों के लिए जरूरी डाइट लें।

शुगरी फूड्स और ड्रिंक्स से परहेज करें।

सॉफ्ट टूथब्रश का इस्तेमाल करें।

दांतों को रोजाना क्लॉस करें।

मेडिकेटेड माउथवॉश का इस्तेमाल करें।

समय-समय पर डॉक्टर से चेकअप कराएं।

सर्दियों में ओरल हेल्थ के लिए फॉलो करें ये डाइट-

दांतों और ओरल हेल्थ का ख्याल रखने के लिए हेल्दी और बैलेंस्ड डाइट में भी बहुत ज्यादा जरूरी है। ऐसे में विंटर सीजन में इन फूड्स को शामिल करें और खानपान से जुड़ी इन बातों का ध्यान रखें।

अपनी डाइट में कैल्शियम और फॉस्फेट रिच फूड्स जैसे दूध, पनीर, दही और अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स जरूर शामिल करें।

सर्दियों में ड्राई फ्रूट्स जरूर खाएं और डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियां भी शामिल करें।

आप ठंड के मौसम में हर्बल टी भी सकते हैं। इसमें मौजूद पॉलीफेनोल प्लाक बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते हैं।

शुगरी फूड्स और ड्रिंक्स दांतों की समस्याओं का बड़ा कारण होता है, इसलिए इनसे बचना चाहिए।

खट्टे फल और जूस जैसे एसिडिक फूड्स से दूरी बनाएं, क्योंकि ये दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

कैंडी, च्युइंग गम और क्रैकर्स आदि दांतों में बीच में फंस सकते हैं, इसलिए इन्हें खाने से बचें।

सबसे जरूरी और अहम स्मोकिंग और तंबाकू से दूरी बनाकर रखें।

# कौन कहता है हर किसी के लिए फायदेमंद है गाजर? इन 5 लोगों को करना चाहिए इसे खाने से परहेज

गाजर को अक्सर सेहत के लिए अमृत समान माना जाता है। विटामिन ए का खजाना होने के कारण यह आंखों के लिए बेहद गुणकारी है लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर किसी के लिए गाजर फायदेमंद नहीं होती (Carrots Side Effects)? कुछ लोगों को गाजर खाने से परहेज करना चाहिए। आइए जानते हैं कौन से लोग हैं जिन्हें गाजर से दूर रहना चाहिए।

सर्दी का मौसम आते ही हमारे घरों में रंग-बिरंगे सब्जियों का आगमन होता है। इनमें से एक है गाजर, जो न सिर्फ स्वादिष्ट होती है बल्कि पोषक तत्वों का खजाना भी है। गाजर का हलवा, अचार, सब्जी, और जूस... सर्दी में इनका स्वाद तो मानो मुंह में घुल जाता है!

मगर क्या आप जानते हैं कि ज्यादा गाजर खाना कुछ लोगों के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है? आइए जानते हैं कि किन लोगों को गाजर खाने से पहले थोड़ा सावधान रहना चाहिए, नहीं तो नुकसान (Side Effects Of Eating Too Much Carrot) झेलने पड़ सकते हैं।

**डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं**

गाजर में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो आमतौर पर पाचन के लिए फायदेमंद होता है। हालांकि, ज्यादा मात्रा में फाइबर से कुछ लोगों को गैस, कब्ज या पेट फूलने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अगर आप पाचन तंत्र से जुड़ी किसी समस्या से पीड़ित हैं, तो गाजर को अपनी डाइट में शामिल करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर होगा।

**ब्रेस्ट फीडिंग कराने वाली महिलाएं**

ब्रेस्ट फीडिंग कराने वाली महिलाओं को गाजर का सेवन करने में सावधानी बरतनी चाहिए। कुछ शिशु गाजर के स्वाद को दूध में महसूस कर सकते हैं और दूध पीने से इनकार कर सकते हैं। हालांकि, सभी शिशुओं में यह रिएक्शन नहीं होता है। इसलिए, गाजर को अपनी डाइट में शामिल करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेना सबसे अच्छा होगा।

**कैरोटिनीमिया की परेशानी**

गाजर में बीटा कैरोटीन नाम का तत्व होता है, जो हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है, लेकिन अगर हम बहुत ज्यादा गाजर खाते हैं, तो हमारे शरीर में इस तत्व की मात्रा बढ़ जाती है और हमारी त्वचा पीली पड़ सकती है। बता दें, इस समस्या को कैरोटेनीमिया कहते हैं।

**एलर्जी की तकलीफ**

गाजर से एलर्जी एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर गाजर में मौजूद प्रोटीन को हानिकारक पदार्थ मान लेता है और एलर्जिक रिएक्शन दिखाता है। इस रिएक्शन के लक्षणों में त्वचा पर लाल चकत्ते, खुजली, सूजन, गले में खराश, सांस लेने में तकलीफ, और कुछ मामलों में एनाफिलेक्सिस भी शामिल हो सकता है। इसलिए इन लोगों को भी गाजर खाने से बचना चाहिए।

**डायबिटीज की समस्या**

डायबिटीज के मरीजों को गाजर खाते समय सावधानी बरतनी चाहिए। गाजर में कई पोषक तत्व होते हैं, लेकिन इसमें नेचुरल शुगर भी होती है। इसलिए ज्यादा मात्रा में गाजर खाने से ब्लड शुगर का स्तर बढ़ सकता है, जो डायबिटीज के मरीजों के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए, डायबिटीज के मरीजों को गाजर का सेवन डॉक्टर की सलाह के मुताबिक ही करना चाहिए।

# 50 की उम्र में दिखना है 30 का तो आज से ही इसे दूध में डालकर पीना शुरू कर दे। कमजोरी/आलस समाप्त कर रखेगा जवान

**गोंद कतीरा के फायदे**

हम सब जानते हैं, कि दूध हमारे शरीर के लिए सबसे अच्छा पोष्टिक द्रव्य है। आज हम आपको दूध के साथ गोंद कतीरा के फायदे गोंद कतीरा (ट्रैगेकेन्थ गम) के उपयोग बताएंगे। गोंद कतीरा एक स्वादहीन, गंधहीन, चिपचिपा और पानी में घुलने वाला प्राकृतिक गोंद है। गोंद कतीरा का उपयोग गर्मियों में अच्छा रहता है, क्योंकि इसमें ठंडक रहती है। जिससे शरीर में ताकत आती है और पेशाब संबंधी बीमारियों के लिए यह दवाई की तरह काम करता है। गोंद कतीरा शरीर से निकलने वाले खून की रोकथाम करता है। इसके अलावा उल्टी, माइग्रेन, थकान और कमजोरी में बहुत फायदेमंद है। इसके अलावा सिर के बालों को झड़ने से रोकता है। यह पेड़ से निकालने वाला गोंद है। इसका कांटेदार पेड़ भारत में गर्म पथरीले क्षेत्रों में पाया जाता है।

इसकी छाल काटने और टहनियों से जो तरल निकलता है वही जम कर सफेद पीला हो जाता है यही गोंद कतीरा होता है।

इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन और फॉलिक एसिड जैसे पोषक तत्व पाए जाते है, जो हमारे शरीर से जुड़ी कई समस्याओं से भी राहत दिलाने में मदद करते हैं। इसके सेवन करने से गर्मियों में लू से तो बचा जा सकता है साथ ही साथ हम कई कई रोगों से भी निजात पा सकते हैं। गोंद कतीरा का उपयोग कई प्रकार से किया जाता है जैसे दूध, आईसक्रीम और शरबत आदि में। आइए जानते हैं जानते हैं इसके सेवन से स्वास्थ्य को होने वाले फायदों के बारे में'

**गोंद कतीरा के फायदे**

1. हाथ-पैरों में जलन (Gond Katira For Jalan)

अगर हाथ-पैरों में जलन की समस्या हो तो 2 चम्मच गोंद कतीरा को रात को 1 गिलास पानी में भिगों दें, सुबह इसमें शक्कर मिला कर खाने से राहत मिलती है।

2. एंटी-एजिंग (Gond Katira For Anti Ageing)

गोंद कतीरा आपकी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद है और यह आपकी सुंदरता को बढ़ाता है गोंद कतीरा में एंटी-एजिंग गुण होते हैं ,जो झुर्रियों जैसी समस्या को दूर करता है।

3. कमजोरी और थकान से छुटकारा (Gond Katira For Weakness)

हर रोज सुबह आधा गिलास दूध में कतीरा गोंद और मिश्री डाल कर पीने से कमजोरी और थकान से छुटकारा मिलता है।

4. माइग्रेन, थकान, कमजोरी, गर्मी की वजह से चक्कर आना, उल्टी (Gond Katira For Migraine, Weakness, Vomitting)

गोंद कतीरा के सेवन से माइग्रेन, थकान, कमजोरी, गर्मी की वजह से चक्कर आना, उल्टी आने पर आराम मिलता है।

5. टांसिल (Gond Katira For Tonsil)

अगर आपको बार बार टांसिल की समस्या होती है तो 2 चम्मच गोंद कतीरा में धनिया के पत्तों के रस में मिलाकर रोजाना गले पर लेप करने से यह पूरी तरह से ठीक हो जाते हैं।

6. अल्सर (Gond Katira For Ulcer)

यह मुंह के अल्सर को ठीक करने में भी मदद करता है।

7. पसीना ज्यादा आना (Gond Katira For Sweating)

जिन लोगों को पसीना ज्यादा आता हो, उन्हें गोद कतीरा का सेवन करने से यह समस्या दूर हो जाती है।

10-20 ग्राम गोंद कतीरा पानी में भिगोकर सुबह शरबत बनाकर पीने से रक्त संबंधी बीमारियां दूर हो जाती है।

गोंद कतीरा को मिश्री के साथ पीसकर दो चम्मच कच्चे दूध के साथ सेवन करने से स्त्री रोग जैसे म*हामारी, ल्यू*केमिया, माँ बनने के बाद की कमजोरी में फायदा होता है।

# सोंठ + गिलोय = करें समाप्त गठिया को, इसे आप्त भी कहते हैं

अगर किसी व्यक्ति को ऑटोइम्यून डिसऑर्डर या गठिया है जो आजकल सर्दियों में सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। होता क्या है गठिया हम जब भी भोजन करते हैं और अगर खाना ढंग से पचता नहीं है तो वेस्ट मोटाबालिटी खून में घूमते हैं और जॉइंट्स में पहुंचते हैं तो जॉइंट्स में सूजन जकड़न और दर्द होता है जो लंबे समय रहने पर गठिया में कन्वर्ट हो जाता है।

इसके लिए घरेलू उपाय एक महाऔषधि का वर्णन किया गया है

गिलोय 50 ग्राम
सोंठ का चूर्ण 50 ग्राम

इसमें से 5 ग्राम चूर्ण एक 100 मिलीलीटर उबलते हुए पानी में डालकर उसको हल्का ठंडा करके सुबह दोपहर शाम खाने से पहले लें, यह रोग को रोकेगा ही नहीं बल्कि ठीक कर देगा।

# विजय विश्वास से

प्रभु कृपा के बल के साथ ही जीवन के किसी भी क्षेत्र में विजय के लिए स्वयं पर विश्वास होना आवश्यक है। जीवन में सफल होने का एक सीधा सा मंत्र है और वो ये कि हमारी आशा स्वयं से होनी चाहिए किसी और से नहीं।

सूर्य स्वयं के प्रकाश से चमकता है और चन्द्रमा को चमकने के लिए सूर्य के प्रकाश पर निर्भर रहना होता है। दूसरे के प्रकाश से प्रकाशित होने की आशा रखने के कारण ही चन्द्रमा की चमक एक जैसी नहीं रहती।

कमल उतनी ही देर अपना सौंदर्य बिखेरता है जितनी देर उसे सूर्य का प्रकाश प्राप्त होता है। जीवन में सफल एवं सदा खुश रहना है तो दूसरों से किसी भी प्रकार की आशा छोड़कर प्रभु कृपा के बल का भरोसा बनाए रखे।

इस पूरी दुनिया में केवल एक ही मनुष्य हमारा भाग्य बदल सकता है। इस पूरी दुनिया में केवल एक मनुष्य ही हमारे हर प्रश्न का उत्तर और हर समस्या का समाधान निकाल सकता है और वो कोई दूसरा नहीं केवल और केवल हम हैं।

हम ही इस दुनिया के वो इकलौते व्यक्ति हैं जो अपना भाग्य बदलने की सामर्थ्य रखते है। हम ही इस दुनिया के वो एकमात्र व्यक्ति हैं जो अपने चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं।

हमारे अतिरिक्त कोई और दूसरा नहीं जिसके पास हमारी प्रत्येक समस्या का समाधान हो। शांति पूर्वक मनन से स्वतः अपने सभी प्रश्नों का उत्तर मिल जायेगा।

!!!'बदलाव यदि हित में हो तो अवश्य बदल जाना चाहिए' !!!

हम बदलें तो दुनिया बदले

# बेटियों के बलात्कारियों से जब माँ ने कहा "अब्दुल अली एक-एक करके करो, नहीं तो वो मर जाएंगी

8 अक्टूबर 2001 को बांग्लादेश में ये सच्ची घटना घटित हुई थी। पं.अनिल चंद्र और उनका परिवार 2 बेटीयों पूर्णिमा व 6 वर्षीय छोटी बेटी के साथ बांग्लादेश के सिराजगंज में रहता था। उनके पास जीने खाने और रहने के लिए पर्याप्त जमीन थी।

बस एक गलती उनसे हो गयी, और ये गलती थी एक हिंदु होकर 14 साल व 6 साल की बेटी के साथ बांग्लादेश में रहना। एक क़ाफिर के पास इतनी जमीन कैसे रह सकती है..?

यही सवाल था बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिद ज़िया के पार्टी से सम्बंधित कुछ उन्मादी लोगों का।

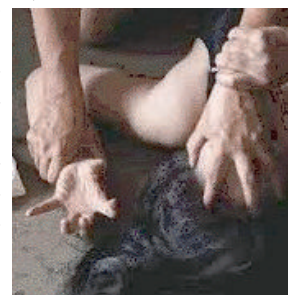

8 अक्टूबर के दिन अब्दुल अली, अल्ताफ हुसैन, हुसैन अली, अब्दुर रउफ, यासीन अली, लिटन शेख और 5 अन्य लोगों ने अनिल चंद्र के घर पर धावा बोल दिया, पं अनिल चंद्र को मारकर डंडो से बाँध दिया, और उनको काफ़िर कहकर गालियां देने लगे।

इसके बाद ये शैतान माँ के सामने ही उस १४ साल की निर्दोष बच्ची पर टूट पड़े और उस वक्त जो शब्द उस बेबस लाचार मां के मुँह से निकले वो पूरी इंसानियत को झंकझोर देने वाले हैं।

अपनी बेटी के साथ होते इस सामूहिक अत्याचार को देखकर बेबस लाचार मां ने अपनी बच्ची को हैवानों से बचाने के लिए कहा "अब्दुल अली, अल्ताफ हुसैन, हुसैन अली, अब्दुर रउफ, यासीन अली, लिटन शेख एक एक करके करो, नहीं तो मेरी बच्ची मर जाएगी, वो सिर्फ 14 साल की है।"

यह सुनकर भी वो हैवान यहीं नहीं रुके उन माँ बाप के सामने उनकी छोटी 6 वर्षीय बेटी का भी सभी ने मिलकर बलात्कार किया और उनलोगों को वही मरने के लिए छोडकर जाते जाते आस पड़ोस के लोगों को धमकी देकर गए की कोई इनकी मदद नहीं करेगा।"

ये पूरी घटना बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने भी अपनी किताब "लज्जा" में लिखी जिसके बाद से उनको देश छोड़ना पड़ा, ये पूरी घटना इतनी हैवानियत से भरी है पर आजतक भारत में किसी बुद्धिजीवी ने इसके खिलाफ बोलने की हैसियत तक नहीं दिखाई है, ना ही किसी मीडिया हाउस ने इस पर कोई कार्यक्रम करने की हिम्मत जुटाई।

ये होता है किसी इस्लामिक देश में हिन्दू या कोई अन्य अल्पसंख्यक होने का, चाहे वो बांग्लादेश हो या पाकिस्तान। पता नहीं कितनी पूर्णिमाओं की ऐसी आहुति दी गयी होगी। बांग्लादेश में हिंदुओं की जनसँख्या को 25 प्रतिशत से 5 प्रतिशत और पाकिस्तान में 23 प्रतिशत से 1 प्रतिशत पहुँचाने में।

और हिंदुस्तान में हामिद अंसारी जैसे घिनौने लोग कहते है कि हमें डर लगता है।

जबकि, हमारे देश में उनकी आबादी आज़ादी के बाद से 25 प्रतिशत अधिक बढ़ी है और आज भी बांग्लादेशी घुसपैठिये बसते जा रहे हैं।

अगर आप भी सेक्युलर हिंदु (स्वघोषित बुद्धिजीवी) हैं और आपको भी लगता है कि भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं है, तो कभी बांग्लादेश या पाकिस्तान की किसी पूर्णिमा को इन्टरनेट पर ढूंढ कर देखिये। बेबस और लाचार बच्चियों की तड़पती माँ ओं का खौफनाक सच जानकर दावा है कि आपका भी नजरिया बदल जाएगा!

# राहुल गांधी 13 जनवरी को सीलमपुर पुर पूर्वी दिल्ली में "जय भीम-जय संविधान" विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे

सुषमा रानी

**नई दिल्ली।** दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुदीन ने घोषणा की। सीलमपुर विधानसभा में 13 जनवरी, 2025 को ''जय भीम, जय संविधान'' विशाल जनसभा को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संबोधित करके दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का चुनावी विगुल बजाएंगे। जनसभा में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता को मौजूद रहेंगे।

संवाददाता सम्मेलन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन, अ0भा0क0कमेटी के सचिव प्रभारी सुखविंदर सिंह डैनी और दानिश अबरार, दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री डा0 नरेन्द्र नाथ, पूर्व विधायक हरीशंकर गुप्ता, अ0भा0क0कमेटी नेशनल मीडिया कॉआर्डिनेटर अभय दूबे, प्रवक्ता रश्मि सिंह मिगलानी और आस्मा तसलीम भी मौजूद थी।

काजी निजामुद्दीन ने कहा कि राहुल गांधी ने देश की समस्याओं को समझने और जानने के लिए हजारों किलोमीटर की भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाली। भारत जोड़ो यात्रा दिल्ली में निकाली गई। राहुल गांधी ने यात्रा के दौरान लाखों लोगों जिनमें गरीब, वंचित, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यको और हजारों सामाजिक संस्थाओं और कल्याण कार्य करने वाली एनजीओ से बात की और करोड़ो देशवासियों की समस्याओं का कैसे निवारण किया जाए, उसके लिए जनता की आवाज बनकर कांग्रेस पार्टी काम कर रही है। इसी कड़ी में दिल्ली कांग्रेस ने दिल्ली के लोगों के लिए प्यारी दीदी योजना और जीवन रक्षा योजना की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां कांग्रेस की सरकारें है वहां राहुल गांधी के देशवासियों के विकास और बेहतर जीवन देने के लक्ष्य को अंजाम दे रही हैं।

काजी निजामुद्दीन के कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद भी राहुल गांधी वंचितों, दलितों, पिछड़ो, अल्पसंख्यकों और गरीबी रेखा से नीचे जीने वाले लोगों और विशेषकर किसानों की परेशानियों और संकट से लगातार रुबरु होते हुए उन्हें न्याय दिलाने के लिए सड़क से संसद तक संघर्ष कर रहे है और उन्होंने बताया कि राहुल दिल्ली में पिछले दिनों आनन्द विहार पर लोगों से मिले, सैलून वालों से, मोटर मैकेनिक, कारपेन्टर, कुम्हार, सड़क पर रोजी रोटी कमाने वाले, महंगाई का आंकलन करने के लिए आजादपुर सब्जी मंडी सहित हर वर्ग के लोगों से मिलकर दिल्ली वालों की समस्याओं को जानने की कोशिश कर रहे है। उन्होंने बताया कि दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव की सफल महीने भर की दिल्ली न्याय यात्रा, जिसमें दिल्ली के लाखों निवासियों ने भाग लिया। दिल्ली को केजरीवाल सरकार और भाजपा के 11 साल के कुशासन और तबाही से बचाने के लिए दिल्ली की जनता ने कांग्रेस सत्ता में वापस लाने के लिए दिल्ली विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को अपना पूर्ण समर्थन देने का वादा किया है। राहुल के दिल्ली आंकलन के बाद भविष्य में दिल्ली की जनता को बेहतर जीवन शैली प्रदान करने में दिल्ली कांग्रेस किस प्रकार सहायक बनेगी, उन सभी समस्याओं को अपने घोषणा पत्र में जनता से किए वादों वादों को सार्थक करने के लिए डालेंगे।

काजी ने कहा कि कांग्रेस जो कहती है वो करती है और कांग्रेस शासित राज्यों में करके दिखा रहे हैं और दिल्ली में जनता के सहयोग से सरकार बनाने के बाद दिल्ली की जनता तक सभी गारंटियां का फायदा पहुंचाने के लिए एक मिसाल कायम करेंगे क्योंकि पिछले 11 वर्षों में भाजपा और आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की जनता सिर्फ धोखा दिया है।

# छतरपुर से आप प्रत्याशी ब्रह्म सिंह तंवर का भाजपा प्रत्याशी पर पैसा बांटने का आरोप

स्वतंत्र सिंह भुल्लर नई दिल्ली

**नई दिल्ली।** छतरपुर विधानसभा से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी ब्रह्म सिंह तंवर ने भाजपा प्रत्याशी करतार सिंह तंवर पर आरोप लगाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने विधायक के लोगों द्वारा मतदाताओं को पैसा बांटने का गंभीर आरोप लगाया गया है। ब्रह्म सिंह तंवर ने मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए भाजपा प्रत्याशी द्वारा पैसा देने के संबंध में सबूत भी चुनाव आयुक्त को भेजा है। उन्होंने कहा कि भारत के चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि वह स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करें।परंतु छतरपुर विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी द्वारा लगातार मतदाताओं को पैसा बाटा जा रहा है। पुलिस भी इस मामले में पूरी तरह से चुप है, ऐसी स्थिति में छतरपुर विधानसभा में निष्पक्ष चुनाव की संभावना पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। ब्रह्म सिंह तंवर ने कहा कि इसकी उच्च स्तरीय जांच कर चुनाव आयोग भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें, तभी छतरपुर में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संभव हो सकता है।

# भाजपा के सांसदों से लेकर केंद्रीय मंत्री तक चुनाव आयोग की आंख में धूल झोंक रहे हैं- संजय सिंह

सुषमा रानी

**नई दिल्ली,** आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के चुनावी घोटाले का बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने साक्ष्यों के साथ बताया कि मोदी सरकार के केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा के सांसदों, पूर्व सांसदों समेत अन्य फर्जी पते पर बड़े पैमाने पर फर्जी वोट बनवाए जा रहे हैं। नई दिल्ली से भाजपा के प्रत्याशी प्रवेश वर्मा जिस सांसद आवास पर कब्जा किए बैठे हैं, उस पते पर 33 वोट बनवाने की एप्लीकेशन दी गई है। केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी व कमलेश पासवान समेत अन्य सांसदों के पते पर बड़ी संख्या में फर्जी वोट बनवाने की एप्लीकेशन दी गई है। जिन लोगों के नाम से वोट बनवाने जा रहे हैं, उनके बारे में भी कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान जिन पतों पर 2-5 वोट थे, अब उन्हीं पतों पर 28 से लेकर 44 तक फर्जी वोट बनवाए जा रहे हैं। भाजपा के सांसदों से लेकर केंद्रीय मंत्री तक चुनाव आयोग की आंख में धूल झोंक रहे हैं। हमारी मांग है कि चुनाव आयोग इस पर संज्ञान लेकर तत्काल कार्रवाई करे।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर भाजपा के चुनावी घोटाले का बड़ा खुलासा किया। उन्होंने कहा कि भाजपा किस तरह चुनावों में हेरफेर करती है। इस काम में भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री, भाजपा के सांसद और बड़े-बड़े लोग शामिल हैं। भाजपा के केंद्रीय मंत्री और सांसद चुनाव आयोग की आंख में धूल झोंक रहे हैं और उसकी प्रतिष्ठा के साथ खिलवाड़ कर चुनावी घोटाला कर रहे हैं। नई दिल्ली विधानसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी प्रवेश वर्मा पूर्व सांसद हैं। इसके बावजूद प्रवेश वर्मा मई 2024 से लेकर आज तक पिछले 8 महीने से सांसद का बंगला कब्जा करके बैठे हुए हैं। प्रवेश वर्मा ने अपने सरकारी बंगले के पते पर 33 वोट बनवाने की एप्लीकेशन दी है।

संजय सिंह ने कहा कि फर्जी वोट बनवाने वालों में मोदी सरकार के केंद्रीय मंत्री, सांसद, पूर्व सांसद से लेकर ऐसे पते पर वोट बनवाए गए हैं, जिनका कोई पता नहीं है और न उन वोटर के बारे में कोई जानकारी है। वोट बनवाने में मोदी सरकार के केंद्रीय मंत्री से लेकर सांसद तक फर्जीवाड़ा कर रहे हैं। भाजपा और मोदी जी से पूछना चाहते हैं कि आप अपनी पार्टी को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी कहते हैं और ऐसे फर्जीवाड़ा करके वोट जीना चाहते हो। आप देश की राजधानी दिल्ली के अंदर चुनावी धोखाधड़ी कर रहे हैं। क्या यही आपका चुनाव लड़ने का तरीका है। मीडिया भी जाकर इन पतों की जांच कर सकता है। अभी लोकसभा का चुनाव संपन्न हुआ है। लोकसभा के चुनाव के दौरान इन पतों पर कितने वोट थे। इन वोटों को बनवाने के लिए पिछले 15 दिनों में एप्लीकेशन दी गई है। इसका मतलब है कि यह चुनावी घपला-घोटाला हो रहा है। यह इतने बड़े पैमाने पर हो रहा है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता बार-बार चुनाव आयोग से कार्रवाई करने की गुहार लगा रहे हैं। चुनाव आयोग द्वारा कुछ कार्रवाई की भी गई है। लेकिन यह नई दिल्ली विधानसभा में हो रहा है, जहां पर केंद्रीय चुनाव आयोग का दफ्तर है। उसके नाक के नीचे यह सबकुछ हो रहा है। प्रवेश वर्मा ने अपने पते पर 33 वोट बनवाने की एप्लीकेशन दे रखी है। जबकि उनको उस घर में रहने का भी अधिकार नहीं है। पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा के साथ-साथ दो केंद्रीय पंकज चौधरी और कमलेश पासवान के पते पर भी वोट बनवाने की एप्लीकेशन दी गई है। आखिर यह क्या हो रहा है? इसीलिए आम आदमी पार्टी बार-बार कह रही है कि भाजपा वोटर लिस्ट में वोट कटवा और जुड़वा कर चुनाव जीतना चाहती है। मीडिया को भी इन पतों पर जाकर जांच करना चाहिए कि जिनके वोट बनवाने की एप्लीकेशन दी गई है, वो लोग कहां हैं। चुनाव आयोग को तत्काल संज्ञान लेकर इन लोगों के खिलाफ इस चुनावी फ्राड में शामिल होने का मुकदमा दर्ज कराना चाहिए।

# हज 2025 के लिए दूसरी प्रतीक्षा सूची (वेटिंग लिस्ट) में 3676 यात्रियों को मिली मंजूरी

सुषमा रानी

**नई दिल्ली।** हज कमेटी ऑफ इंडिया के तहत 2025 में हज पर जाने के लिए प्रतीक्षा सूची (वेटिंग लिस्ट) में इंतजार कर रहे 3676 यात्रियों को मंजूरी मिल गई है। हज कमेटी ऑफ इंडिया की ओर से जारी सर्कुलर के अनुसार, विभिन्न राज्यों से रद्द की गई सीटों को भरने के लिए दूसरी प्रतीक्षा सूची को मंजूरी दे दी गई है। इससे छत्तीसगढ़ के 136 से 160 तक, दिल्ली के 626 से 790 तक, गुजरात के 1724 से 2207 तक, कर्नाटक के 2075 से 2310 तक, केरल के 1712 से 2208 तक, मध्य प्रदेश के 906 से 1136 तक, महाराष्ट्र के 3697 से 4789 तक, तमिलनाडु के 1016 से 1319 तक और तेलंगाना के 1632 से 2288 तक के यात्रियों को हज का अवसर मिला है।

प्रतीक्षा सूची में स्वीकृत यात्रियों को हज खर्च की राशि 2,72,300 रुपये (पहली और दूसरी किस्त) 23 जनवरी 2025 तक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) या यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (UBI) की किसी भी शाखा में पे-इन स्लिप और बैंक रेफरेंस नंबर के माध्यम से हज कमेटी ऑफ इंडिया के खाते में जमा करनी होगी।

यात्रियों को राशि जमा करने के लिए ई-पेमेंट की सुविधा प्रदान की गई है,जो वेबसाइट https://hajcommittee.gov.in या हज सुविधा ऐप पर उपलब्ध है। क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग और यूपीआई के माध्यम से भुगतान किया जा सकता है।

वेटिंग लिस्ट से चयनित हज यात्री अपनी राशि का भुगतान करने के बाद, अपना अंतरराष्ट्रीय पासपोर्ट (मशीन रीडेबल) की स्व-सत्यापित कॉपी, मेडिकल स्क्रीनिंग और फिटनेस सर्टिफिकेट, हलफनामा, बैंक की पे स्लिप, हज आवेदन फॉर्म की कॉपी 25 जनवरी 2025 तक अपनी संबंधित राज्य हज समिति में जमा कर दें।

# इंडसफूड मैन्युफैक्चरिंग 2025 की शानदार सफलता, IEML की संगठनीय उत्कृष्टता का प्रदर्शन

सुषमा रानी

**नई दिल्ली।** इंडसफूड मैन्युफैक्चरिंग 2025 के उद्घाटन संस्करण का शानदार सफलता के साथ समापन हुआ, जिससे यह आयोजन वैश्विक खाद्य और पेय उद्योग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित हुआ है। यह आयोजन इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट लिमिटेड (IEML), ग्रेटर नोएडा और ट्रेड प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (TPCI) के संयुक्त प्रयास से 9 से 11 जनवरी 2025 तक इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (IICC – यशोभूमि), द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

IEML ने अपने अध्यक्ष, डॉ. राकेश कुमार के नेतृत्व में, एक बार फिर अपनी असाधारण क्षमता का प्रदर्शन किया, जो बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय आयोजनों को न केवल अपने मुख्य स्थल ग्रेटर नोएडा में बल्कि अन्य स्थानों पर भी सफलतापूर्वक संचालित करने में सक्षम है। प्रदर्शनी उद्योग में अपने परिवर्तनकारी दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध IEML ने इंडसफूड मैन्युफैक्चरिंग 2025 के माध्यम से नवाचार, सहयोग, और वैश्विक व्यापार के अवसरों को पैदा करते हुए नए मानक स्थापित किए।

यह आयोजन चार विशेष शो को एक ही छत के नीचे लायाः

इंडसफूड टेकः अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण तकनीक का प्रदर्शन।

इंडसफूड पैकेजिंगः स्थायी और स्मार्ट पैकेजिंग समाधानों का प्रदर्शन।

इंडसफूड इंग्रीडिएंट्सः F&B क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने वाले बेहतरीन सामग्री का प्रदर्शन।

इंडसफूड हॉस्पिटैलिटीः आतिथ्य क्षेत्र के लिए आधुनिक समाधान।

27,000 वर्ग मीटर के प्रदर्शनी क्षेत्र में फैला यह आयोजन 12,000 से अधिक आगंतुकों और खरीदारों को आकर्षित करने में सफल रहा, जिसमें 500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी शामिल थे। इस प्रदर्शनी में 300 प्रदर्शकों ने अत्याधुनिक मशीनरी, तकनीक, और समाधानों का प्रदर्शन किया। साथ में यहां आयोजित शिखर सम्मेलन में 600 से अधिक उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया और 17 सत्रों के माध्यम से खाद्य निर्माण के भविष्य पर विचार-विमर्श किया।

डॉ. राकेश कुमार ने इस आयोजन के रणनीतिक महत्व पर जोर देते हुए कहा, "इंडसफूड मैन्युफैक्चरिंग 2025, IEML के वैश्विक स्तर पर नवाचार और उत्कृष्टता का मंच बनने का प्रमाण है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय और हमारे समर्पित साझेदारों के समर्थन से, हमारा उद्देश्य भारत को F&B क्षेत्र में नवाचार का केंद्र बनाना है, जिससे सतत निवेश और सार्थक सहयोग को बढ़ावा मिले।"

इस आयोजन ने 18 से अधिक देशों, जैसे अल्जीरिया, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इज़राइल, दक्षिण अफ्रीका, और अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और प्रतिनिधियों को आकर्षित किया, जिन्होंने भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी की संभावनाओं के बारे में जानकारी ली। यह वैश्विक भागीदारी भारत को F&B क्षेत्र में एक उभरते हुए नेतृत्व के रूप में स्थापित करती है।

डॉ. राकेश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व और IEML की परिचालन उत्कृष्टता ने इंडसफूड मैन्युफैक्चरिंग 2025 को प्रदर्शकों, खरीदारों, और हितधारकों के लिए एक परिवर्तनकारी अनुभव बनाया। तकनीक, पैकेजिंग, सामग्री, और आतिथ्य पर केंद्रित इस आयोजन ने अद्वितीय नवाचार और प्रभावशाली व्यावसायिक परिणामों के लिए एक व्यापक व्यवस्था का निर्माण किया।

यह प्रमुख आयोजन IEML की पहचान को MICE (मीटिंग्स, इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेंस, एग्जीबिशन) उद्योग में एक अग्रणी के रूप में और अधिक मजबूत करता है, जिससे भारत की आर्थिक और औद्योगिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है।

# रमेश बिधूड़ी दिल्लीवालों को बताएं, 10 साल सांसद रहते हुए उन्होंने क्या काम किए, दिल्ली को लेकर उनका विजन क्या है?: केजरीवाल

सुषमा रानी

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा के संभावित सीएम चेहरा रमेश बिधूड़ी को बड़ी चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि हमें विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि भाजपा ने अपनी सीईसी की बैठक में रमेश बिधूड़ी को अपना सीएम चेहरा बनाने का निर्णय लिया है और एक-दो दिन में उनके नाम का एलान कर देगी। मेरी दिल्लीवालों की तरफ से मांग है कि वह बताएं कि 10 साल सांसद रहते हुए उन्होंने क्या काम किए और दिल्ली को लेकर उनका विजन क्या है? साथ ही, जब भाजपा औपचारिक रूप से उनको सीएम उम्मीदवार घोषित कर दे, तब वह जनता के सामने मुझसे बहस करें। इससे दिल्ली की जनता यह जान सकेगी कि किसने क्या काम किया, किसका क्या विजन है और किसको वोट देना चाहिए।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर कहा कि दिल्ली विधानसभा का चुनाव बहुत नजदीक है और चुनाव में सब लोग जानना चाहते हैं कि किस पार्टी का कौन सीएम चेहरा है। आम आदमी पार्टी की तरफ से शुरू से ही जग-जाहिर था, पूरी पार्टी ने एकमत होकर निर्णय लिया था चुनाव जीतने के बाद अरविंद केजरीवाल सीएम उम्मीदवार होंगे। भाजपा की तरफ से किसी को पता नहीं चल रहा था कि उनका सीएम उम्मीदवार कौन होगा।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि शुक्रवार को भाजपा की सीईसी (सेंट्रल इलेक्शन कमिटी) की बैठक हुई। हमें सूत्रों से पता चला है कि उस मीटिंग में निर्णय लिया है कि भाजपा के सीएम उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी होंगे। ऐसा बताया जा रहा है कि एक-दो दिनों में औपचारिक रूप से रमेश बिधूड़ी के नाम का एलान कर दिया जाएगा। भाजपा का सीएम चेहरा बनने के लिए मैं रमेश बिधूड़ी को तहे दिल से बधाई देना चाहता हूं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जब औपचारिक रूप से सीएम उम्मीदवार के लिए रमेश बिधूड़ी के नाम की घोषणा हो जाए, तो वह दिल्ली की जनता को बताएं कि वह बतौर सांसद 10 साल में दिल्ली के लिए क्या-क्या काम किए? रमेश बिधूड़ी यह भी बताएं कि उनका दिल्ली को लेकर विजन क्या है और क्या काम करेंगे। रमेश बिधूड़ी दिल्ली के लोगों को अपना विजन साफ-साफ बताएं।

उन्होंने कहा कि मैं यह भी चाहूंगा कि जनतंत्र को मजबूत करने के लिए एक दिन दिल्ली और देश के लोगों के सामने आम आदमी पार्टी और भाजपा के सीएम उम्मीदवार के बीच सार्वजनकि डिबेट होनी चाहिए। ताकि दिल्ली की जनता देखकर निर्णय ले सके कि किसको वोट देना है। किसने क्या काम किया है और किसका क्या विजन है? हम भाजपा के सीएम उम्मीदवार के औपचारिक एलान का इंतजार करेंगे।

# सेपक टकराव तेलंगाना के अध्यक्ष पेरिका सुरेश के अथक प्रयास से हनुमकोडा में नेशनल सेपक टकराव चैंपियनशिप का आयोजन

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

**नई दिल्ली।** 34 वे सीनियर नेशनल सेपक टकराव चैंपियनशिप 2024-25 का शुभारंभ जवाहरलाल नेहरू आउटडोर स्टेडियम हनुमकोडा में संपन्न हुआ, यह टूर्नामेंट 10 से 14 जनवरी तक चलेगा। चैंपियनशिप प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य रूप से योगेंद्र सिंह दहिया सीईओ सेपक टकराव फेडरेशन ऑफ इंडिया, डॉक्टर एस आर प्रेम राज अध्यक्ष सेपक टकराव फेडरेशन ऑफ इंडिया, वीरगौड़ा सचिव, के.सुरेश अध्यक्ष तेलंगाना सेपक टकराव एसोसिएशन, आर श्रीनिवास रेड्डी सचिव तेलंगाना, विकेश कुमार कोषाध्यक्ष, कोरिड श्रीकांत आयोजक सचिव तेलंगाना, रिक्कला वेंकट रामकृष्ण एवं कोथूर कपिल आनंद ईसी तेलंगाना के अलावा भारी संख्या में स्थानीय गणमान्य लोगों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि इसमें भारत के 28 राज्यों एवं दो विभागीय टीमो के बीच जबरदस्त मुकाबला होना तय है, जिसमें पुरुष एवं महिला खिलाड़ी अपने बेहतर खेल प्रदर्शन से नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे। तेलंगाना अध्यक्ष पेरिका सुरेश ने बताया कि इस टूर्नामेंट का आयोजन तेलंगाना सेपक टकराव एसोसिएशन द्वारा किया जा रहा है जो सेपक टकराव फेडरेशन आफ इंडिया, एशियाई सेपक टकराव फेडरेशन, इंटरनेशनल सेपक टकराव फेडरेशन एवं स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ तेलंगाना से संबद्ध है। इस अवसर पर तेलंगाना सेपक टकराव एसोसिएशन के अध्यक्ष पेरिका सुरेश ने तेलंगाना के खिलाड़ियों की तैयारी पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे पूरा भरोसा है की इस राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय सेपक टकराव चैंपियनशिप प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक लाकर राज्य का नाम रोशन करेंगे। श्री सुरेश ने तेलंगाना के सभी खिलाड़ियों का हौसला अफ़जाई करते हुए कहा कि वह पूरी मेहनत, लगन एवं कुशलता के साथ इस प्रतियोगिता में अपना बेहतर प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक प्राप्त करें तथा तेलंगाना का नाम रोशन करें ऐसी मेरी शुभकामना हैं।

# अलग-अलग मामलों में दो की मौत, फ्लाईओवर से 20 फीट नीचे गिरा युवक

गाजियाबाद में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। ठाकुरद्वारा फ्लाईओवर से एक युवक बाइक समेत नीचे गिर गया। घायल अवस्था में युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि युवक नशे की हालत में था। फिलहाल हादसे की जांच की जा रही है।

**गाजियाबाद।** शुक्रवार देर रात ठाकुरद्वारा फ्लाईओवर से एक युवक बाइक समेत नीचे गिर गया। जिला एमएमजी अस्पताल में उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि युवक नशे की हालत में लग रहा था।

पुलिस के मुताबिक शुक्रवार रात करीब साढ़े 12 बजे घंटाघर से नए बस अड्डे की तरफ जाने वाली लेन पर एक युवक बाइक पर जा रहा था। फ्लाईओवर के बीच में युवक अचानक बाइक समेत नीचे आ गिरा।

**देर रात इलाज के दौरान डॉक्टर ने किया मृत घोषित**

घायल अवस्था में युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान देर रात उसने दम तोड़ दिया। युवक की पहचान साहिबाबाद के जनकपुरी निवासी अवधेश कुमार (38 वर्ष) के रूप में हुई।

युवक फैक्ट्री में काम करता था। पुलिस (Ghaziabad Police) का कहना है कि युवक नशे में लग रहा था। शुरूआती जांच में बाइक तेज रफ्तार में होने की वजह से हादसा होना लग रहा है।

**हादसे में कार सवार महिला की हुई मौत**

वहीं पर एक दूसरे मामले में बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार शाम मुखर्जी पार्क के पास कार में टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान हो गई है। हादसे में कार सवार महिला की मृत्यु हो गई जबकि उनके पति की हालत गंभीर बनी हुई है।

कविनगर थाने में अज्ञात ट्रक चालक पर केस दर्ज कराया गया है। अटौर नंगला निवासी राकेश वर्मा ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि शुक्रवार को उनका बेटा रोहित वर्मा और पुत्रवधु अंजलि जेपी अस्पताल से दवा लेकर अटिंगा कार से घर आ रहे थे।

**मुखर्जी पार्क के पास कार में एक ट्रक ने मारी टक्कर**

मुखर्जी पार्क की तरफ से उन्हें विवेकानंद फ्लाईओवर होते हुए आना था। मुखर्जी पार्क के पास कार में एक ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में उनकी पुत्रवधु की मौके पर ही मौत हो गई थी। गंभीर हालत में उनके बेटे को सर्वोदय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

# सोसायटी की 18वीं मंजिल से गिरकर महिला की मौत, डिप्रेशन में आकर आत्महत्या की आशंका

गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन स्थित चार्म्स कैसल सोसायटी की 18वीं मंजिल से एक महिला की गिरकर मौत हो गई। महिला की पहचान रेनू दुआ (45 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि महिला डिप्रेशन में थी और इसी के चलते उसने आत्महत्या कर ली। हालांकि मामले की जांच जारी है। वहीं जिले के मोरटा में ट्रैक्टर चालक की लापरवाही से किशोर की मौत हो गई।

**गाजियाबाद।** राजनगर एक्सटेंशन स्थित चार्म्स कैसल सोसायटी की 18वीं मंजिल से गिरकर महिला की मौत हो गई। घटना शुक्रवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे की है। पुलिस का कहना है कि स्वजन ने महिला के डिप्रेशन में होने की जानकारी दी है। इसी के चलते आत्महत्या किए जाने का मामला लग रहा है।

शुक्रवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे चार्म्स कैसल सोसायटी की 18वीं मंजिल से रेनू दुआ (45 वर्ष) नीचे आ गिरीं। सुरक्षा गार्डों ने मामले की सूचना सोसायटी एओए और स्वजन को दी। स्वजन महिला को लेकर जिला एमएमजी अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

**महिला का बेटा हितेश दुआ फोटोग्राफर**

एसीपी नंदग्राम पूनम मिश्रा ने बताया कि महिला रेनू दुआ 18वीं मंजिल स्थित फ्लैट में पति नंदलाल दुआ और पुत्र हितेश के साथ रहती थीं। महिला का बेटा हितेश दुआ फोटोग्राफर हैं। स्वजन ने पुलिस को बताया कि रेनू दुआ डिप्रेशन में रहती थीं। इसी के चलते आत्महत्या करना लग रहा है। मामले में कोई शिकायत या सुसाइड नोट नहीं मिला है।

**ट्रैक्टर चालक की लापरवाही से किशोर की मौत**

जिले के मोरटा में ट्रैक्टर चालक की लापरवाही से किशोर की मौत हो गई। मुरादनगर के भिक्कनपुर निवासी गुलशेर ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि वह मोरटा निवासी अरुण त्यागी के यहां काम करते हैं। बुधवार को उनका 16 वर्षीय बेटा आरिस ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली में आगे बैठकर चालक सचिन के साथ जा रहा था। सचिन तेज गति से ट्रैक्टर चला रहा था।

**ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई**

मोरटा में बाग वाले मोहल्ले में ब्रेकर आने पर ट्रैक्टर और ट्राली अनियंत्रित होकर उछले जिससे उनका बेटा ट्रैक्टर ट्राली के नीचे आ गया। उसके ऊपर ईंटों से भरी ट्रॉली उतर गई। उनके बेटे की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। पीड़ित की शिकायत पर आरोपित चालक पर मधुबन बापूधाम थाने में केस दर्ज किया गया है।

# ढ़ाबे में थूक लगाकर रोटी बनाते हुए युवक का वीडियो वायरल, खाद्य सुरक्षा विभाग ने तुरंत लिया एक्शन

गाजियाबाद के एक रेस्टोरेंट में युवक द्वारा थूककर रोटी बनाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है। वीडियो के साथ दावा किया गया कि यह खोड़ा थाने की लोधी पुलिस चौकी क्षेत्र के एक रेस्टोरेंट का है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे हैं और रेस्टोरेंट को बंद करा दिया है।

**गाजियाबाद।** थाने की लोधी चौकी क्षेत्र के दिल्ली 6 रेस्टोरेंट में युवक का थूककर रोटी बनाने वीडियो इंटरनेट मीडिया पर शुक्रवार को प्रसारित हुआ। वीडियो का संज्ञान लेकर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांव के लिए भेजे और रेस्टोरेंट बंद करा दिया है।

इंटरनेट मीडिया पर एक 23 सेकेंड का वीडियो प्रसारित हुआ। जिसमें दिख रहा था कि वीडियो एक होटल का है। तंदूर पर युवक रोटियां बना रहा है। रोटियां बनाते हुए ऊनपर थूक रहा है। वीडियो के साथ दावा किया गया कि यह खोड़ा थाने की लोधी पुलिस चौकी क्षेत्र के एक रेस्टोरेंट का है।

**वीडियो सोम बाजार स्थित दिल्ली 6 रेस्टोरेंट का**

पुलिस के अधिकारियों तक मामला पहुंचा तो जांच शुरू की गई। वीडियो खोड़ा के सोम बाजार स्थित दिल्ली 6 रेस्टोरेंट का निकला। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि होटल पर काम करने वाले और वीडियो में थूककर रोटी बनाते दिख रहे बिजनौर धामपुर स्थित नई बस्ती के इरफान को गिरफ्तार कर लिया।

**वह करीब एक साल से होटल में कर रहा था काम**

उपनिरीक्षक जितेंद्र की ओर से उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पूछताछ में पता चला कि वह करीब एक साल से होटल में काम कर रहा था। पुलिस ने ऐसा करने की वजह पूछी तो बताया कि रोटी सेंकते हुए हाथ जलता था तो वह हाथ पर फूंक मारता था। जानकारी मिलने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई। खाद्य पदार्थों के लिए नमूने ले लिए गए। इसके बाद रेस्टोरेंट को बंद कराया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रेमचंद ने बताया कि मौके से चिकन चंगेजी, चिकन बिरयानी, रंग और आंटे के पांच से भी अधिक नमूने जांच के लिए लैब भेजे हैं। लाइसेंस निरस्त करते हुए संचालन बंद करा दिया गया है।

# ईयरफोन लगाकर जा रहे UPSC छात्र की बैक कर रहे रोडवेज बस से कुचलकर मौत, घर का बुझा चिराग

कौशांबी बस अड्डे में एक दर्दनाक हादसा हुआ जिसमें यूपीएससी की तैयारी कर रहे 22 वर्षीय अभिषेक कुमार की मौत हो गई। कान में ईयरफोन लगाए होने के कारण उन्हें बस का हॉर्न और शोरगुल सुनाई नहीं दिया। चालक ने बिना परिचालक के बस को बैक किया और अभिषेक बस के पिछले पहिये के नीचे आ गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

**साहिबाबाद।** लिंक रोड थाना क्षेत्र के कौशांबी बस अड्डे में रोडवेज बस बैक करने के दौरान पिछले पहिये से कुचलकर युवक की मौत हो गई। युवक कान में ईयरफोन लगाए हुए था। बस का हार्न और शोर शराबा सुनाई नहीं दिया। चालक बिना परिचालक के बस बैक कर रहा था।

पुलिस ने मृतक के मामा की शिकायत पर बस नंबर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर कब्जे में ले ली है। फरार चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, मूलरूप से संभल के कलीथा गांव का 22 वर्षीय अभिषेक कुमार नोएडा के एक इंस्टीट्यूट से बीटेक करने के बाद दिल्ली के मुखर्जी नगर में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रहा था।

**टक्कर लगते ही गिर गया फिर पिछला पहिया ऊपर चढ़ा**

अभिषेक का बृहस्पतिवार को कोई पार्सल कौशांबी पोस्ट आफिस में आया था। दिल्ली के मुखर्जी नगर से पार्सल लेने के लिए वह यहां आया था। बस अड्डे में गेट नंबर एक के पास कान में ईयरफोन लगाकार निकल रहा था। इसी दौरान बस अड्डे में लोनी डिपो की रोडवेज बस का चालक बस को बैक करने लगा।

बस के साथ परिचालक नहीं था। अभिषेक बस के पीछे था। टक्कर लगते ही वह गिर गया और पिछला पहिया ऊपर चढ़ने से कुचल गया। पुलिस जांच में सामने आया कि कान में ईयरफोन होने से लोगों की आवाज और बस का हार्न भी उसे सुनाई नहीं दिया। हादसे के बाद लोगों ने शोर मचाकर बस रुकवाई।

चालक मौके से भाग गया। लोगों ने घायल अभिषेक को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डाक्टर ने कुछ देर बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मृतक के स्वजन को दी गई। सूचना पर पहुंचे बदायूं के रहने वाले मामा मधुकर सिंह ने रोडवेज बस नंबर के आधार पर लिंक रोड थाने में तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर बस को कब्जे में ले लिया। शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजन को सौंप दिया।

**पिता की सड़क हादसे में हुई थी मौत इकलौता चिराग बुझा**

मधुकर सिंह ने बताया कि अभिषेक के पिता दयाराम की मौत भी करीब 19 साल पहले सड़क हादसे में हुई थी। दयाराम सरकारी अस्पताल के टीबी रोग विभाग की लैब में संविदाकर्मी थे। तब से पूरा परिवार बिखर गया था। उनकी मौत के बाद से अभिषेक की सुमन मंजरी और छोटी बहन शिवांगी को साथ लेकर बदायूं आ गए थे।

अभिषेक का पूरा परिवार आर्थिक तंगी से भी जूझा था। रिश्तेदारों की मदद से अभिषेक और उसकी छोटी बहन शिवांगी की पढ़ाई-लिखाई कराई गई। हादसे में अभिषेक की मौत के बाद पूरा परिवार सदमे में है। मां और बहन का रो-रोकर बुरा हाल है। घर का इकलौता चिराग बुझ गया।

# भारत में पैर पसारता ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस - इन्फेक्शन और सांस से जुड़े वायरस का बुजुर्गों बच्चों पर निशाना-सरकार सतर्क

5 वर्ष से कम व 65 वर्ष से अधिक उम्र वालों व सांस एवं अस्थमा रोगियों को सतर्कता की ज़रूरत वायरस फैलने की दर कोरोना से कम है परंतु फैलने का तरीका एक जैसा-सरकार पूरी तरह अलर्ट परंतु नागरिकों का सहयोग जरूरी-

*एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र*

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ का हर देश बड़ी मुश्किल से कोरोना महामारी से निजात पाकर स्टेबल होते जा रहे हैं, परंतु इसके विभिन्न वेरिएंट पीछा नहीं छोड़ रहे हैं। एक और जहां 20 जनवरी 2025 को डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद ग्रहण करने व अपनी रणनीतियों से पूरे विश्व के प्रभावित होने के फंडे से पर पूरी दुनियाँ की दहशत भरी नज़रें लगी हुई है, तो वहीं दूसरी ओर एक नई कोरोनावायरस एचएमपीवी के बढ़ते संक्रमण से सभी देश संपूर्ण तैयारी में जुट गए हैं, जिसमें भारत भी है।चूँकि भारत में 11 जनवरी 2025 तक 11 से अधिक केस डिटेक्ट हो चुके हैं, सरकार ने राज्य सरकारों को गाइडलाइंस जारी कर दिए हैं, तो वहीं झारखंड ने भी अपने राज्य के लिए गाइडलाइंस जारी कर दी है। चूँकि पूरी दुनियाँ कोविड महामारी के दंश को झेल चुकी है चुकी है इसलिए सभी देशों नें अपने-अपने स्वास्थ्य स्ट्रक्चर को बहुत अधिक मजबूत कर दिए हैं जिसमें भारत भी एक है, परंतु सबसे अधिक जवाबदेही हम नागरिकों की भी है किमरीज का पता चलने पर तुरंत उसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग को दें व बच्चों,बुजुर्गों को भीड़भाड़ वाले इलाके में जाने से बचें, मास्क लगाए व सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस का पालन करें तो हम इस महामारी से जोरदार तरीके से मुकाबला कर इसें ज़मीं दरोज कर सकते हैं।चूँकि 5 वर्ष से कम व 65 वर्ष से अधिक आयु वाले व सांस एवं अस्थमा रोगियों को सतर्क रहने की जरूरत है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,भारत में पैर पसारता ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस-इन्फेक्शन और सांस से जुड़े वायरस का बुजुर्गों बच्चों पर निशाना-सरकार सतर्क परंतु सावधान रहने की ज़रूरत।

साथियों बातें अगर हम ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस को संपूर्ण जानने की करें तो यह इंफेक्शन और सांस से जुड़ावायरस है। इसमें मरीजों को खांसी, बुखार, सांस लेने में तकलीफ और नाक बहने जैसी समस्याएं होती हैं।एचएमपीवी एक आरएनए वायरस है, जो आमतौर पर सर्दी जैसे लक्षण पैदा करता है। इसका जोखिम ठंड के मौसम में ज्यादा होता है। अमेरिका के सेंटर्स फॉर डीजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक, ये वायरस न्यूमोविरिडे वायरस फैमिली से जुड़ा है, जिसमें रेस्पिरेटरी सिंसिटियल वायरस भी शामिल है। रेस्पिरेटरी सिंसिटियल वायरस से फेफड़ों और सांस नली में इंफेक्शन होता है। ये इतना आम है कि 2 साल तक की उम्र के ज्यादातर बच्चे इस वायरस से प्रभावित हो जाते हैं। कोरोना यानी कोविड-19 महामारी के लिए जो वायरस जिम्मेदार था, जो कोरोना विरिडे वायरस फैमिली से जुड़ा है। एचएमपीएस और कोरोना अलग-अलग वायरल फैमिली से आते हैं, लेकिन दोनों के लक्षण भी लगभग समान हैंएचएमपीवी से जुड़े आम लक्षणों में खांसी, बुखार, नाक बंद होना और सांस लेने में तकलीफ शामिल हैं जो कोविड -19 में भी हो रहे थे।अमेरिकी सीडीएस के मुताबिक, कोविड-19 पर टेंप्रेचर का इफेक्ट होने की वजह से सीजनल था, लेकिनएमपीवी पर टेंप्रेचर का ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, जिसके चलते अलग- अलग मौसम में फैल रहा है। अमेरिका में सर्दी से लेकर बसंत के मौसम में इसके केस पीक पर पर होते हैं।

एचएमवीपी वायरस का ट्रांसमिशन रेट यानी फैलने की दर कोरोना वायरस की तुलना में कम है।लेकिन इसके फैलने का तरीका लगभग एक जैसा है। ड्रॉपलेट्सः जब कोई संक्रमित व्यक्ति खांसता, छींकता या बात करता है, तो हवा में कुछ बूंदें फैलती हैं। डायरेक्ट कॉन्टैक्टः संक्रमित व्यक्ति के साथ डायरेक्ट कॉन्टैक्ट यानी सीधे या शारीरिक संपर्क से फैल सकता है।खासकर अगर कोई उनके चेहरे, आंख या मुंह को छूता है।चीजों की सतहः ये चीजों की सतहों पर बना रह सकता है।दरवाजे के हैंडल यामोबाइल जैसी दूषित चीजों को छूने से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। हवा में मौजूदगीः वायरस के छोटे- छोटे पार्टिकल्स हवा में रह सकते हैं, खासकर भीड़भाड़ वाले या खराब हवा वाली जगहों में, इसका सबसे ज्यादा असर 5 साल से कम उम्र के बच्चों और 65 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को होगा, खासकर समय से पहले जन्मे बच्चे यानी प्री-मैच्योर चाइल्ड में। साथ ही जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर है या जिन्हें अस्थमा जैसी सांस से जुड़ी बीमारी है।

साथियों बात अगर हम इस वायरस से नहीं डरनेसावधानी रखने व जांच करने की करें तो, चीन में तेजी से फैले ह्यूमन मेटानिमोवायरस ने ये डर और बैठा दिया है कि कहीं ये कोरोना वायरस जैसी महामारी का रूप न ले ले, इसको लेकर भारत में भी पैनी नजर रखी जा रही है। ताजा घटनाक्रम में भारत सरकार ने कहा है कि भारत इस वायरस से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है और घबराने की जरूरत नहीं है, वहीं, तेलंगाना सरकार ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं।हालांकि राज्य में अब तक 11 से अधिक मामले आए हैं, इसलिए हम सबको मिलकर इन बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। (1) खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को रूमाल या टिश्यू से ढकें, (2) अपने हाथों को साबुन और पानी से बार-बार धोएं या अल्कोहल-आधारित सैनिटाइज़र का उपयोग करें। (3) भीड़भाड़ वाली जगहों से बचें और फ्लू से प्रभावित लोगों से दूरी बनाए रखें। (4) बुखार, खांसी या छींक आने पर सार्वजनिक स्थानों पर जाने से बचें। (5) पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और पौष्टिक भोजन करें। (6) सभी स्थानों पर पर्याप्त वेंटिलेशन सुनिश्चित करें। (7) बीमार होने पर घर पर रहें और दूसरों के संपर्क को सीमित करें। साथियों इसके लक्षण दिखने पर एचएमपीवी वायरस की जांच कराई जा सकती है। इसी जांच भी कोरोना वायरस जैसी ही सरकारी अस्पतालों या प्राइवेट लैब में कराई जा सकती है। सैंपल प्रोसेस, नासॉफैरिंजियल स्वैब : नाक में कॉटन बड्स डालकर सैंपल लेना। थ्रोट स्वैब : गले में कॉटन बड्स डालना1 ब्लड सैंपलः कुछ मामलों में ब्लड टेस्ट भी किया जा सकता है। बलगमः यदि मरीज को बलगम हो रहा हो, तो उसे भी जांच के लिए भेजा जा सकता है। साथियों बात अगर हम एचएमपीवी संक्रमण को कोविड -19 के परिपेक्ष में से समझने की करें तो, कोविड-19 महामारी से दुनियाँ भर में लंबा लॉकडाउन लगा रहा और लाखों लोगों की मौत भी हुई। लगभग 4 साल बाद इस महामारी से उबरने के बाद चैन की सांस ली ही थी कि अब एक और वायरस ने दुनियाँ भर में चिंताएं बढ़ा दी हैं। दरअसल, रिपोर्ट्स बताती हैं कि चीन घातक कोविड-19 महामारी के प्रकोप के चार साल बाद एक और महामारी से जूझ रहा है। इस महामारी का कारण एक वायरस है जिसका नाम है, ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) इस वायरस के कारण कई देश इसके प्रसार पर निगरानी रख रहे। मेडिकल संस्थानों ने एचएमपीवी पर चिंता जताई है जो एक रेस्पिरेट्री (श्वसन) वायरस है जो कई एशियाई देशों को प्रभावित कर रहा है। रॉयटर्स में पब्लिश एक रिपोर्ट के मुताबिक,हाल ही में पाए गए मामलों में राइनोवायरस और मानव मेटान्यूमोवायरस जैसे रोगाणु शामिल हैं।विशेष रूप से चीन के उत्तरी प्रांतों में 14 वर्ष से कम आयु के लोगों में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत में पैर पसारता ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस- इन्फेक्शन और सांस से जुड़े वायरस का बुजुर्गों बच्चों पर निशाना- सरकार सतर्क 5 वर्ष से कम व 65 वर्ष से अधिक उम्र वालों व सांस एवं अस्थमा रोगियों को सतर्कता की ज़रूरत।वायरस फैलने की दर कोरोना से कम है परंतु फैलने का तरीका एक जैसा-सरकार पूरी तरह अलर्ट परंतु नागरिकों का सहयोग जरूरी है।

# दो लाख रुपये की डॉउन पेमेंट के बाद घर ले आएं मारुति स्विफ्ट का वीएक्सआई वेरिएंट , जाएगी सिर्फ इतनी ईएमआई

परिवहन विशेष न्यूज

भारत की प्रमुख वाहन निर्माता Maruti Suzuki की ओर से नई जेनरेशन Maruti Swift को 2024 में लॉन्च किया गया था। कंपनी की इस कार के मिड वेरिएंट VXI को अगर आप भी खरीदने का मन बना रहे हैं तो दो लाख रुपये देने के बाद कितने रुपये (New Swift 2024 VXI EMI) हर महीने देकर इसे खरीदा जा सकता है। आइए जानते हैं।

**नई दिल्ली।** भारत में मारुति की ओर से 9 मई 2024 को नई Maruti Swift को लॉन्च किया गया था। अगर आप भी इस गाड़ी के मिड वेरिएंट के तौर पर ऑफर किए जाने वाले VXI को खरीदने का मन बना रहे हैं और दो लाख रुपये की डाउनपेमेंट करने के बाद गाड़ी को घर लाना चाहते हैं, तो हर महीने कितने रुपये की EMI देनी होगी। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

**Maruti Swift Price**

मारुति की ओर से Swift के मिड वेरिएंट के तौर पर VXI को ऑफर किया जाता है। इस वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 7.29 लाख रुपये है। हैचबैक के तौर पर ऑफर की जाने वाली इस गाड़ी को अगर दिल्ली में खरीदा जाता है तो करीब 52 हजार रुपये आरटीओ और करीब 29 हजार रुपये इंश्योरेंस और स्मार्ट कार्ड, एमसीडी चार्ज और फास्टैग के 5485 रुपये देने होंगे। जिसके बाद Maruti Swift on road price करीब 8.16 लाख रुपये के आस-पास हो जाता है।

**दो लाख Down Payment के बाद कितनी EMI**

अगर इस गाड़ी के मिड वेरिएंट VXI को आप खरीदते हैं, तो बैंक की ओर से एक्स शोरूम कीमत पर ही फाइनेंस किया जाएगा। ऐसे में दो लाख रुपये की डाउन पमेंट करने के बाद आपको करीब 6.16 लाख रुपये को बैंक से फाइनेंस करवाना होगा। बैंक की ओर से अगर आपको नौ फीसदी ब्याज के साथ सात साल के लिए 6.16 लाख रुपये दिए जाते हैं, तो हर महीने 9913 रुपये हर महीने की EMI आपको अगले सात साल के लिए देनी होगी।

**कितनी महंगी पड़ेगी कार**

अगर आप नौ फीसदी की ब्याज दर के साथ सात साल के लिए 6.16 लाख रुपये का बैंक से Car Loan लेते हैं, तो आपको सात साल तक 9913 रुपये की EMI हर महीने देनी होगी। ऐसे में सात साल में आप New Swift 2024 के लिए करीब 2.16 लाख रुपये बतौर ब्याज देंगे। जिसके बाद आपकी कार की कुल कीमत एक्स शोरूम, ऑन रोड और ब्याज मिलाकर करीब 10.32 लाख रुपये देंगे।

**किनसे होता है मुकाबला**

मारुति की ओर से स्विफ्ट को हैचबैक सेगमेंट में बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। कंपनी की ओर से ऑफर की जाने वाली स्विफ्ट का सीधा मुकाबला अपनी ही कंपनी की Baleno, Wagon R, S-Presso के अलावा Toyota Glanza, Tata Altroz, Hyundai Grand Nios i10, Tata Tiago जैसी कारों के साथ होता है।

# विनफास्ट ने ऑटो एक्सपो 2025 को लेकर जारी किया टीजर, दो इलेक्ट्रिक SUV को करेगी पेश

परिवहन विशेष न्यूज

Bharat Mobility Global Expo 2025 में वियतनामी बहुराष्ट्रीय ऑटोमोटिव कंपनी Vinfast भी हिस्सा लेने वाली है। Auto Expo 2025 में Vinfast अपनी दो इलेक्ट्रिक SUV VF7 और VF9 को पेश करने वाली है। यह दोनों के साथ कंपनी भारत में अपनी एंट्री करने जा रही है। आइए जानते हैं कि Vinfast की यह दोनों इलेक्ट्रिक कार किन फीचर्स के साथ आती है।

**नई दिल्ली।** ऑटो एक्स्पो 2025 से पहले ऑटोमेकर कंपनी Vinfast ने एक टीजर जारी किया है। इस टीजर के जरिए कंपनी की तरफ से बताया गया है कि वह भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में हिस्सा लेने जा रही है। वियतनामी बहुराष्ट्रीय ऑटोमोटिव कंपनी Vinfast Auto Expo 2025 में अपनी दो इलेक्ट्रिक SUV VF7 और VF9 को दिखाएगी। आइए जानते हैं कि Vinfast की यह दोनों इलेक्ट्रिक एसयूवी ग्लोबल लेवल पर किन फीचर्स के साथ आती है।

**Vinfast VF7**

यह 5-सीटर इलेक्ट्रिक एसयूवी है, जो एलईडी डीआरएल, लाइटिंग एलिमेंट्स के लिए ट्रेपोज़ॉइडल हाउसिंग और कर्व बोनट वाले डिजाइन के साथ आती है। इसमें चमकदार काले फेंडर, मोटी बॉडी क्लैडिंग, डोर मोल्डिंग और बड़े 20-इंच के अलॉय व्हील दी गई है।

VF7 में फ्लश डोर हैंडल, ब्लैक-आउट पिलर और इंटीग्रेटेड टर्न सिग्नल के साथ डुअल-टोन ORVM दिए गए हैं। इसके पीछे की तरफ रेक्ड विंडशील्ड, एक प्रमुख रूफ माउंटेड स्पॉयलर, शार्क फिन एंटीना और लेयर्ड टेलगेट डिजाइन किया गया है। इसके सामने और पीछे दोनों तरफ एक समान लाइटिंग एलिमेंट दिए गए हैं।

ग्लोबल लेवल पर मिलने वाली VF7 को दो वेरिएंट में पेश किया जाता है, जो इको और प्लस है। दोनों ही वेरिएंट में 75.3 kWh की बैटरी दी गई है। इको वेरिएंट में सिंगल मोटर तो प्लस वेरिएंट में डुअल इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है। इको वेरिएंट में 201 hp की पावर और 310 Nm का टॉर्क तो प्लस वेरिएंट 348 hp की पावर और 500 Nm का टॉर्क जनरेट करता है।

VF7 में हाईवे असिस्ट (लेवल 2), लेन सेंटरिंग असिस्ट, अडेप्टिव क्रूज कंट्रोल और इमरजेंसी लेन कीप असिस्ट जैसी ADAS फीचर्स दिए गए हैं। इसके टॉप स्पेक वेरिएंट में 431 किमी (WLTP) की रेंज मिलती है।

**Vinfast VF9**

यह एक 7-सीटर प्रीमियम इलेक्ट्रिक SUV है। इसमें स्लीक LED हेडलैंप और LED DRLs, स्कल्प्टेड बोनट और एक बड़ी क्लोज ग्रिल दी गई है। इसके साइड प्रोफाइल में स्पोर्टी अलॉय व्हील, फ्लश डोर हैंडल और ब्लैक-आउट पिलर दिए गए हैं। इसे क्रिमसन रेड, विनफास्ट ब्लू और जेट ब्लैक कलर ऑप्शन में पेश किया जाता है।

VF9 को 15.6 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, कीलेस एंट्री, एयर क्वालिटी कंट्रोल, हीटेड स्टीयरिंग व्हील और पैनोरमिक फिक्स्ड ग्लास रूफ जैसे प्रीमियम फीचर्स से लैस किया गया है। इसमें पैसेंजर की सेफ्टी के लिए ADAS फीचर्स दिए गए हैं।

इसमें 123-kWh बैटरी पैक दी गई है, जो डुअल मोटर AWD सेटअप के साथ आती है। इसमें लगी हुई बैटरी 402 hp की पावर और 620 Nm का टॉर्क जनरेट करती है। इसे VF7 की तरह ही Eco और Plus दोनों वेरिएंट में पेश किया जाता है। इसके Eco वेरिएंट की रेंज 531 किलोमीटर और Plus वेरिएंट की रेंज 468 किलोमीटर है। दोनों ही करीब 35 मिनट में 10% से 70% चार्ज हो सकती है।

# जेएसडब्ल्यू एमजी पेश करेगी 6 गाड़ियां, लिस्ट में तीन लग्जरी कार भी शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

इस बार के ऑटो एक्सपो में JSW MG अपनी 6 गाड़ियों को दिखाने वाली है। इसनें से चार कारों को कंपनी पहली बार भारतीय बाजार में दिखाएगी। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में MG की तरफ से उनके पवेलियन में MG Cyberster MG M9 iML6 MG 7 Trophy Windsor EV Windsor EV और MG Hector मॉडल दिखाई देंगी।

**नई दिल्ली।** भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का आयोजन 17 जनवरी से लेकर 22 जनवरी तक होने जा रहा है। इसमें कई ऑटोमेकर अपनी गाड़ियों की पेशकश करने वाले हैं। इनमें JSW MG भी शामिल होने वाली है। Auto Expo 2025 में JSW MG की तरफ से 6 गाड़ियों को पेश किया जाएगा। ऑटो एक्सपो में एमजी सेलेक्ट के जरिए अपनी तीन लग्जरी कारों को पेश करेगा, जो MG Cyberster, MG M9 और iML6 है। आइए जानते हैं कि इनके अलावा JSW MG Auto Expo 2025 में कौन-सी गाड़ियां पेश करेगी।

**1. MG Cyberster**

एमजी इसे दुनिया की सबसे तेज रोडस्टर बता रहा है, जिसे ऑटो एक्सपो 2025 में पेश किया जाएगा। MG साइबरस्टर को फ्यूचरिस्टिक डिजाइन दिया गया है। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है कि ड्राइवर को अलग अनुभव मिलेगा। इसमें लो-स्लंग प्रोफ़ाइल, शार्प लाइन्स और एक्टिव एयरोडायनामिक्स जैसे डिप्लॉयबल रियर स्पॉइलर को दिया गया है। वहीं, यह एक इलेक्ट्रिक स्पोर्ट कार है, जिसमें भरपूर फीचर्स दिए गए हैं।

**2. MG M9**

ऑटो एक्सपो में पेश होने वाली MG की यह दूसरी लग्जरी कार होने वाली है। यह एक इलेक्ट्रिक MPV है, जिसे बेहतरीन आराम और लग्जरी फील देने के लिए बनाया गया है। इसके दूसरे रो में रिक्लाइनिंग ओटोमन सीटों पर टचस्क्रीन हैंडरेल से लेकर बाहरी हिस्से पर ट्रेपोज़ॉइडल फ्रंट ग्रिल तक दिया गया है। ओटोमन सीटों में 8 मसाज मोड और 3-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल दिया गया है। इसे 7 सीटर के साथ आने वाली है।

**3. MG iML6**

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पेश होने वाली iML6 एक लग्जरी सेडान होने वाली है। यह भी इलेक्ट्रिक कार है, जिसमें सॉलिड-स्टेट बैटरी देखने के लिए मिलेगी। इसे नए जमाने की स्टाइलिंग, फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी और बेहतरी परफोर्मेंस के साथ लाया जाएगा। इसमें सॉलिड-स्टेट बैटरी पैक के साथ ज्यादा रेंज मिल सकती है। यह डिजिटल चेसिस और हरिकेन मोटर अल्ट्रा-फ़ास्ट-चार्जिंग के साथ आएगी। इसे जिनेवा मोटर शो 2024 में पेश किया जा चुका है।

**4. MG 7 Trophy**

ऑटो एक्सपो में MG इलेक्ट्रिक कार के साथ ही ICE गाड़ियों को भी पेश करेगी। कंपनी भारत मोबिलिटी 2025 में MG 7 Trophy को पेश करेगी। इस कूप-स्टाइल परफॉरमेंस सेडान में 2.0L टर्बो पेट्रोल देखने के लिए मिलेगा, जो 255 bhp की पावर मिलेगी। यह महज 7.7 सेकंड में 100 किमी/घंटा की रफ़्तार पकड़ने की कैपेसिटी रखती है।

**5. Windsor EV**

एमजी विंडसर भारतीय बाजार में लॉन्च होने के साथ ही कंपनी इलेक्ट्रिक सेगमेंट में अग्रणी बन गई है। वहीं, यह तीन महीनों तक सबसे अधिक बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार भी बनी रही। इसमें 80 से ज़्यादा कनेक्टेड फ़ीचर दिया गया है। इसमें IP67-प्रमाणित 38kWh की बैटरी दी गई है। वहीं, इसकी सीटे 135 डिग्री रिक्लाइन भी हो जाती है। इसमें चार ड्राइविंग मोड, इको+, इको, नॉर्मल और स्पोर्ट दिया गया है।

**6. MG Hector**

MG अपनी हेक्टर को भी ऑटो एक्सपो 2025 के पवेलियन में रखने वाली है। यह भारत की पहली इंटरनेट-इनसाइड एसयूवी थी। इसमें पोर्ट्रेट-ओरिएंटेड 14-इंच इंफोटेनमेंट डिस्प्ले, बेहतरीन आराम, लेवल-2 एडीएएस, आई-स्मार्ट टेलीमैटिक्स जैसे फीचर्स मिलते हैं। इसमें 75 से ज़्यादा कनेक्टेड कार फ़ीचर्स मिलते हैं। इसके साथ ही डिजिटल ब्लूटूथ कुंजी, वायरलेस चार्जिंग और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट भी मिलती है।

# ऑटो एक्सपो 2025 में स्कोडा की ये कारें होंगी पेश, लिस्ट में नई कोडिआक और एनियाक शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

Auto Expo 2025 में Skoda अपनी 4 नई कारें पेश करने वाला है। स्कोडा की यह कार Octavia RS नई Superb नई Kodiaq और ग्लोबल लेवल पर पेश हुई Enyaq होने वाली है। इसके अलावा भी स्कोडा के पवेलियन में कुछ गाड़ियां देखने के लिए मिलेंगी। Bharat Mobility Global Expo 2025 का आयोजन 17 जनवरी से 22 जनवरी तक आयोजित होगा।

**नई दिल्ली।** भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का आयोजन 17 जनवरी से 22 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। इसमें कई ऑटोमेकर शामिल होने वाली है। ऑटो एक्सपो 2025 में Skoda भी अपनी गाड़ियां भी पेश करने वाली है। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि Skoda ऑटो एक्सपो 2025 में अपनी कौन सी Cars पेश करने वाली है।

**1. Skoda Octavia RS**

आगामी भारत मोबिलिटी एक्सपो में भारत में नई Octavia RS को Skoda पेश कर सकती है। इसके आखिरी बार साल 2023 में बेचा गया था, लेकिन BS6 चरण-2 मानदंडों की वजह से इसे भारत में बंद कर दिया गया है। ऑटोमेकर के जरिए ऑटो एक्सपो में इसे पेश करने के बाद भारत में लॉन्च भी किया जा सकता है। इसमें 2-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन मिलने की उम्मीद है, जो 265 PS की पावर और 370 Nm का टॉर्क जनरेट करता है।

**2. New-gen Skoda Superb**

नई जनरेशन की Skoda Superb भी ऑटो एक्सपो में पेश हो सकती है। इसे इस साल के अंत तक भारत में लॉन्च भी किया जा सकता है। नई जनरेशन की Skoda Superb शानदार डिजाइन के साथ ही लग्जरी इंटीरियर के साथ आती है। इसमें कई इंजन ऑप्शन देखने के लिए मिल सकता है। कहा जा रहा है कि भारत-स्पेक सुपर्ब में पहले की तरह ही 190 PS की पावर जनरेट करने वाला 2-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन ही देखने के लिए मिलेगा।

**3. 2025 Skoda Kodiaq**

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में नई Skoda Kodiaq को भी पेश किया जाएगा। इसे कई बार भारत की सड़कों पर टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया जा चुका है। इसमें 12.9 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ और वेंटिलेटेड फ्रंट-रो सीटें भी देखने के लिए मिल सकती है। नई कोडियाक में 2-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन देखने के लिए मिल सकता है, जिसके इंजन को 7-स्पीड ड्यूल-क्लच ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन जोड़ा जा सकता है।

**4. Skoda Enyaq**

हाल ही में Skoda Enyaq और Enyaq Coupe को ग्लोबल लेवल पर पेश किया गया है। जिसे देखते हुए उम्मीद है कि उसी मॉडल को ऑटो एक्सपो में पेश किया जा सकता है। नई Enyaq के एक्सटीरियर और इंटीरियर दोनों में बदलाव देखने के लिए मिला है। ग्लोबल मार्केट में Enyaq कई बैटरी पैक के साथ आती है, जो 566 किमी तक की दावा की गई रेंज देती है। भारत मोबिलिटी में दिखाई Enyaq का दिखाया जाने वाला मॉडल प्री-फेसलिफ्ट वेरिएंट हो सकता है।

# पोर्से दिखाएगी अपनी ये कारें, शानदार फीचर्स से है लैस

परिवहन विशेष न्यूज

Bharat Mobility Global Expo 2025 में Porsche अपनी लग्जरी गाड़ियों को पेश करेगी। Auto Expo में Porsche की 911 Facelift Macan EV Taycan और Panamera GTS को पेश करने वाली है। आइए जानते हैं कि Porsche की तरफ से ऑटो एक्पो में पेश होने वाली यह गाड़ियां किन फीचर्स के साथ आती है और क्या यह भारतीय बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध होंगी।

**नई दिल्ली।** नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का आयोजन 17 जनवरी से लेकर 22 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। इस ऑटो एक्सपो में कई कार निर्माता कंपनियां अपने कुछ नए मॉडल भारत में पेश करेंगी। इस लिस्ट में Porsche भी शामिल है। ऑटोमेकर अपनी कुछ पॉपुलर मॉडल को पेश करेंगे। आइए जानते हैं कि Auto Expo 2025 में Porsche अपनी कौन-सी Cars पेश करने वाली है।

**Porsche 911 Facelift**

कीमतः 1.98 करोड़ रुपये से लेकर 2.75 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम)

ऑटोमेकर इस ऑटो एक्सपो 2025 में Porsche 911 Facelift को पेश करेगी। इसे भारत में कई पावरट्रेन के साथ पेश किया जाता है। इसकी सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें नया 541 PS पावर जनरेट करने वाला 3.6-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन दिया गया है, जिसे हाइब्रिड सिस्टम के साथ जोड़ा गया है। इसके साथ ही यह 12.6 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, 10.9 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस फोन चार्जिंग और एम्बिएंट लाइटिंग जैसे फीचर्स के साथ आती है।

**Porsche Macan EV**

कीमतः 1.21 करोड़ रुपये से लेकर 1.68 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम)

साल 2024 के शुरुआत में भारत में लॉन्च होने वाली Porsche Macan EV भी ऑटो एक्सपो 2025 में देखने के लिए मिलेगी। इसे कंपनी कई बैटरी ऑप्शन के साथ पेश करती है। यह सिंगल चार्ज में 641 किलोमीटर तक की रेंज देगी। इसमें 12.6 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, 10.9 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, फ्रंट पैसेंजर के लिए 10.9 इंच का डिस्प्ले, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए गए हैं। Porsche Macan EV की एक्स-शोरूम कीमत 1.21 करोड़ रुपये से लेकर 1.68 करोड़ रुपये के बीच है।

**Updated Porsche Taycan**

कीमतः 1.89 करोड़ रुपये से लेकर 2.53 करोड़ (एक्स-शोरूम)

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में Porsche Taycan का अपडेट मॉडल देखने के लिए मिलेगा। इसे 4S और टर्बो वेरिएंट में 105 kWh तक के बैटरी पैक का ऑप्शन मिलता है। इसके टॉप स्पेक में 884 PS/890 Nm डुअल इलेक्ट्रिक मोटर सेटअप दिया गया है। इसकी मदद से यह महज 2.7 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की स्पीड पकड़ लेती है।

**Porsche Panamera GTS**

कीमतः 2.69 करोड़ रुपये।

आगामी ऑटो एक्सपो में तीसरी जनरेशन की Panamera GTS को पेश किया जाएगा। 2025 पैनामेरा के डिजाइन में बदलाव देखने के लिए मिल सकता है। इसके केबिन में ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप के साथ नया कलर देखने के लिए मिल सकता है। इसमें इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और फ्रंट-रो पैसेंजर के लिए एक डिस्प्ले दिया गया है। इसमें 2.9-लीटर ट्विन-टर्बो V6 पेट्रोल इंजन का इस्तेमाल किया गया है, जो 353 PS की पावर और 500 Nm का टॉर्क जनरेट करता है।

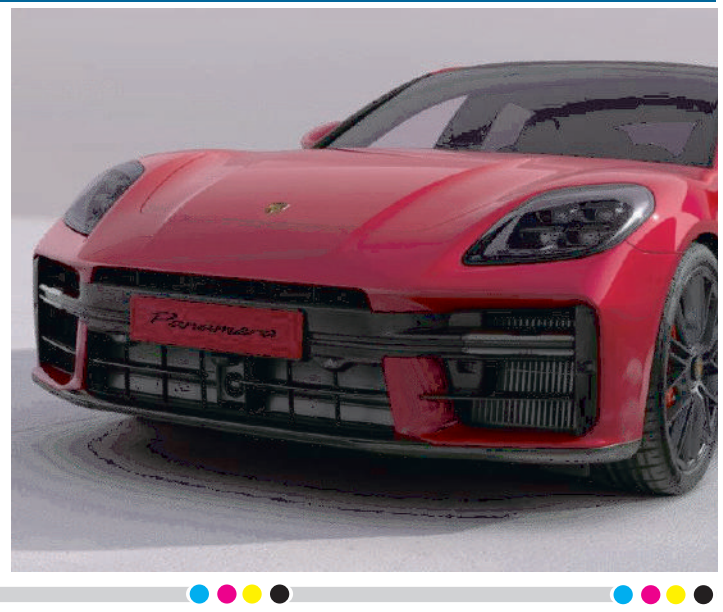

# मानसिक स्वास्थ्य परामर्श में करियर क्यों बनाएं?

विजय गर्ग

मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाताओं के लिए आवश्यक कौशल क्या हैं? मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाताओं को मरीजों का आकलन करने और उनकी मदद करने के लिए सुनने, विश्लेषण करने, लोगों के कौशल और प्रशासनिक कौशल में पेशेवर स्तर के कौशल की आवश्यकता होती है। मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाताओं के लिए आवश्यक कौशल परामर्श और मनोविज्ञानः एक मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता को ग्राहकों की उचित सहायता करने के लिए परामर्श विधियों और मनोविज्ञान में विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

यहां कुछ कारण बताए गए हैं कि आपको मानसिक स्वास्थ्य परामर्श करियर क्यों अपनाना चाहिए:

लोगों के जीवन में बदलाव लाएँ: दूसरों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद है। आप कठिन समय में लोगों का समर्थन कर सकते हैं और उन्हें मजबूत और खुश होते हुए देख सकते हैं। परामर्शदाताओं की उच्च मांगः मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाताओं की आवश्यकता बढ़ रही है। मदद मांगने वाले अधिक लोगों का मतलब है कि आपके लिए विभिन्न सेटिंग्स में नौकरी के अधिक अवसर। विविध कार्य वातावरणः आप स्कूलों, अस्पतालों, निजी प्रैक्टिस या सामुदायिक केंद्रों में काम कर सकते हैं। प्रत्येक सेटिंग आपके करियर को रोमांचक बनाए रखते हुए अद्वितीय चुनौतियाँ और पुरस्कार प्रदान करती है। व्यक्तिगत विकासः मानसिक स्वास्थ्य परामर्श में काम करने से आपको खुद को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है। आप मूल्यवान संचार और समस्या-समाधान कौशल भी सीखते हैं जो आपके जीवन को लाभान्वित करते हैं। अच्छा वेतन और नौकरी सुरक्षाः मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता विकास क्षमता के साथ एक स्थिर आय अर्जित करते हैं। बढ़ती मांग यह सुनिश्चित करती है कि आपका नौकरी का भविष्य सुरक्षित हो। मानसिक स्वास्थ्य परामर्श लेने से एक पूर्ण करियर बन सकता है। आज की तेज़-तर्रार ज़िंदगी और लगातार बदलता समाज कुछ लोगों के लिए रोजमर्रा की चुनौतियों का सामना करना मुश्किल बना सकता है। अमेरिका में, 40 मिलियन अमेरिकी (जनसंख्या का 19.1%) चिंता विकारों से पीड़ित हैं। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाताओं की मांग बढ़ने की उम्मीद है। अमेरिका में मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता

मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाताओं के लिए आवश्यक कौशल क्या हैं? मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाताओं को मरीजों का आकलन करने और उनकी मदद करने के लिए सुनने, विश्लेषण करने, लोगों के कौशल और प्रशासनिक कौशल में पेशेवर स्तर के कौशल की आवश्यकता होती है। मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाताओं के लिए आवश्यक कौशल परामर्श और मनोविज्ञानः एक मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता को ग्राहकों की उचित सहायता करने के लिए परामर्श विधियों और मनोविज्ञान में विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाताओं को उस राज्य की आवश्यकता के अनुसार लाइसेंस परीक्षा देनी होती है, जहां वे अभ्यास करेंगे। यह उपाय सुनिश्चित करता है कि केवल विश्वसनीय और सक्षम चिकित्सक ही उन लोगों को सेवाएं प्रदान करने में सक्षम हैं जिन्हें उनकी आवश्यकता है। इसके अलावा, कहा जाता है कि क्लिनिकल साइकोलॉजी जैसी विशेषज्ञता होने से काउंसलर के वेतन पर 23% का असर पड़ता है। प्रश्न पूछने का कौशलः प्रत्येक परामर्श सत्र में ग्राहकों को अपने मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता के साथ अपने विचारों और भावनाओं को साझा करना शामिल होता है। एक कुशल परामर्शदाता को सही प्रश्न पूछने में सक्षम होना चाहिए ताकि ग्राहक खुलकर उनसे बात कर सके। संवेदनशील विषय सामने आ सकते हैं और उन पर बात करना कठिन हो सकता है। एक मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता को प्रश्नों को इस तरह से लिखने में सक्षम होना चाहिए कि ग्राहक संघर्षों के बारे में बात करने में सहज हो। व्याख्याः किसी की सच्ची भावनाएँ हमेशा शब्दों में नहीं बल्कि कार्यों में प्रतिबिंबित हो सकती हैं। एक मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता को न केवल यह समझने में सक्षम होना चाहिए कि ग्राहक क्या साझा कर रहा है, बल्कि स्वर और शारीरिक भाषा में सूक्ष्मताओं की व्याख्या करने में भी सक्षम होना चाहिए। रिकॉर्ड रखना और डेटा प्रबंधनः काउंसलिंग में

एक से अधिक सत्र लगते हैं। मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाताओं के लिए अपने ग्राहक के निदान और उनकी प्रगति पर नज़र रखने के लिए त्रुटिहीन रिकॉर्ड रखने का कौशल होना महत्वपूर्ण है। गोपनीयता भी महत्वपूर्ण है, इसलिए डेटा प्रबंधन कौशल मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाताओं को ग्राहक डेटा व्यवस्थित करने और यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है कि इसे निजी रखा जाए। मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाताओं के लिए सामान्य कौशल संबंध बनानाः कुछ लोग किसी पूर्ण अजनबी से बेहद निजी विषयों पर बात करने में सहज नहीं हो सकते हैं। एक कुशल मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता को सबसे पहले संबंध बनाने में सक्षम होना चाहिएकुछ सत्र ताकि ग्राहक को अजीब महसूस न हो और वह खुलकर किसी भी विषय पर बात कर सके। सुनने का कौशलः परामर्श सत्र में, अधिकांश समय ग्राहक के साथ व्यक्तिगत समस्याओं के बारे में बात करने में व्यतीत होता है। मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाताओं के पास सुनने का अच्छा कौशल होना चाहिए ताकि वे पूरी तरह से समझ सकें कि ग्राहक किस दौर से गुजर रहा है। सीमाएँ निर्धारित करनाः किसी व्यक्ति के मानसिक संघर्ष के बारे में सुनना मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता के लिए कठिन हो सकता है। किसी भी व्यक्ति के लिए ग्राहक से पर्याप्त भावनात्मक अलगाव रखकर सीमाएँ निर्धारित करने में सक्षम होना महत्वपूर्ण है। मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता के लिए वस्तुनिष्ठ होने और ग्राहक के लिए व्यवहार्य समाधान प्रस्तुत करने का यह एक अच्छा तरीका है। सहानुभूतिः परामर्श सत्र आयोजित करने का मुख्य कारण मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता को अपने ग्राहक के दृष्टिकोण को समझना है। यह तभी संभव है जब व्यक्ति में सहानुभूति हो। ग्राहक का विश्वास हासिल करने में सक्षम होना एक महत्वपूर्ण कौशल है। मैं मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता के रूप में करियर कैसे शुरू करूँ? मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता बनने की दिशा में अपनी यात्रा शुरू करने के लिए, आपको मनोविज्ञान, परामर्श, या किसी भी संबंधित डिग्री कार्यक्रम में स्नातक की डिग्री प्राप्त करनी होगी, और फिर परामर्श में मास्टर डिग्री लेने के लिए आगे बढ़ना होगा। आप अन्य क्षेत्रों में स्नातक की डिग्री ले सकते हैं, लेकिन आपको अपने स्नातक कार्यक्रम में अतिरिक्त पाठ्यक्रम लेने की आवश्यकता हो सकती है। यह देखने के लिए कि क्या यह भविष्य में आपकी स्नातक डिग्री में आपकी मदद करेगा, संबंधित क्षेत्रों के पाठ्यक्रम, जैसे समाजशास्त्र की प्रमुख आवश्यकताओं, को देखना सबसे अच्छा है। आदर्श रूप से, आपके द्वारा प्राप्त की गई मास्टर डिग्री काउंसिल फॉर एक्रिडिटेशन ऑफ काउंसलिंग एंड रिलेटेड एजुकेशनल प्रोग्राम्स (CACREP) द्वारा मान्यता प्राप्त होनी चाहिए। यह संस्था नियमित रूप से परामर्श में स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रमों का मूल्यांकन करती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा मिल रही है और कार्यक्रम उद्योग के मौजूदा मानकों को पूरा करता है। मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाताओं के लिए भी लाइसेंस होना आवश्यक है। इस प्रकार, आपको नेशनल बोर्ड ऑफ सर्टिफाइड काउंसलर (एनबीसीसी) द्वारा दी गई कम से कम एक परीक्षा देनी होगी और उत्तीर्ण करना होगा। इच्छुक मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता विभिन्न सेटिंग्स जैसे बाह्य रोगी सुविधाओं, आवासीय देखभाल और व्यक्तिगत और पारिवारिक सेवाओं में आवश्यक नैदानिक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। लाइसेंस और प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बाद वे उच्च पदों पर जा सकते हैं। मैं काउंसलिंग में एसोसिएट डिग्री के साथ क्या कर सकता हूं? मानसिक स्वास्थ्य सहयोगी मानसिक स्वास्थ्य सहायक मानसिक स्वास्थ्य विकारों या बीमारियों से पीड़ित रोगियों की सहायता के लिए अन्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ काम करते हैं। उन्हें व्यवहारिक स्वास्थ्य तकनीशियन के रूप में भी जाना जाता है। मानसिक स्वास्थ्य सहायक आमतौर पर अस्पताल सेटिंग या मनोरोग सुविधाओं में काम करते हैं। मानसिक स्वास्थ्य सहायक अस्पतालों या बाह्य रोगी सुविधाओं में, एक मानसिक स्वास्थ्य सहायक रोगियों के व्यवहार की निगरानी करने में मदद करता है और उनकी बुनियादी जरूरतों में सहायता करता है। यदि कोई हिंसक घटना घटती है तो वे मरीज़ों को रोकने के लिए भी ज़िम्मेदार हैं। वे मेडिकल रिकॉर्ड अपडेट करते हैं और मनोचिकित्सकों और अन्य मानसिक स्वास्थ्य प्रदाताओं को प्रगति की रिपोर्ट देते हैं। मैं काउंसलिंग में स्नातक डिग्री के साथ क्या कर सकता हूं? मानसिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता एक मानसिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता आम तौर पर एक मनोचिकित्सक टीम का हिस्सा होता है जो मानसिक स्वास्थ्य रोगियों की देखभाल करने के लिए जिम्मेदार होता है। वे मरीजों की निगरानी करने और यह सुनिश्चित करने में मनोचिकित्सकों और परामर्शदाताओं की मदद करते हैं कि मेडिकल रिकॉर्ड अद्यतन हैं। वे हस्तक्षेप योजनाओं में भी सहायता कर सकते हैं और कार्यान्वित उपचारों की प्रगति को ट्रैक कर सकते हैं। मानव सेवा सहायक यदि आप समाज से जुड़े कार्यों में रुचि रखते हैंमैं काम करता हूं, मानव सेवा सहायक बनना उपयुक्त हो सकता है। वे ग्राहकों को उनके लिए उपलब्ध सही मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ उनकी बीमारी से उबरने या उससे निपटने के लिए संसाधन खोजने में मदद करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। वे अक्सर सरकारी एजेंसियों और गैर-लाभकारी संगठनों के साथ काम करते हैं। क्या आपको केवल एक प्रमाणपत्र के साथ मानसिक स्वास्थ्य परामर्श की नौकरी मिल सकती है? चूँकि मानसिक स्वास्थ्य परामर्श के लिए मास्टर डिग्री और लाइसेंस की आवश्यकता होती है, केवल एक प्रमाण पत्र के साथ मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता बनना असंभव है। परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य में संबंधित नौकरियों के लिए आवेदन करने से आपको मूल्यवान अनुभव प्राप्त करने में मदद मिल सकती है क्योंकि आप अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं और परामर्शदाता बनने के तरीके पर काम करते हैं।

# इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग भारत के छोटे शहरों पर बड़ा प्रभाव डाल रही है

विजय गर्ग

इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग, जिसे कभी शहरी घटना के रूप में देखा जाता था, अब भारत के छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में धूम मचा रही है। इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग अब भारत में सिर्फ एक बड़े शहर की चीज नहीं रह गई है। इसने देश के छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। इस बदलाव के पीछे एकमात्र कारण क्षेत्रीय सामग्री निर्माताओं में हालिया उछाल है, जो स्थानीय दर्शकों के साथ उनकी भाषा में शाब्दिक और सांस्कृतिक रूप से गहराई से जुड़ते हैं।

**क्षेत्रीय सामग्री में वृद्धि**

भारत के डिजिटल परिदृश्य में एक क्षेत्रीय क्रांति आने वाली है।

अकेले ओटीटी प्लेटफार्मों पर क्षेत्रीय भाषा की खपत का हिस्सा 2025 तक 50-50 प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है, जिससे हिंदी सामग्री पीछे रह जाएगी। कहने का तात्पर्य यह है कि, मूल भाषाओं में सामग्री के लिए भारत की भूख आक्रामक रूप से बढ़ रही है, जो क्षेत्रीय प्रभावशाली लोगों के पनपने के लिए एक मजबूत आधार तैयार कर रही है।

**ब्रांड 'भारत' का लाभ उठा रहे हैं**

ऐसा प्रतीत होता है कि ब्रांड इस बदलाव को स्वीकार कर रहे हैं और गैर-मेट्रो बाजारों में प्रवेश करने के लिए क्षेत्रीय प्रभावशाली लोगों के साथ तेजी से सहयोग करना शुरू कर दिया है। इस बात पर कोई बहस नहीं है कि ब्रांडों के लिए प्रभावशाली मार्केटिंग कितनी महत्वपूर्ण हो गई है, 75 प्रतिशत ब्रांड इसे अपनी मार्केटिंग

रणनीति का हिस्सा मानते हैं। स्थानीय रचनाकारों के साथ साझेदारी करने से ब्रांडों को ऐसे संदेश देने में बढ़त मिलती है जो क्षेत्रीय दर्शकों के साथ जुड़ते हैं और जुड़ाव और विश्वास पैदा करते हैं।

**सूक्ष्म और नैनो प्रभावकों को दर्ज करें**

इन बाजारों में उनकी बेजोड़ प्रभावशीलता को देखते हुए, ब्रांड सूक्ष्म और नैनो प्रभावकों पर बड़े पैमाने पर काम कर रहे हैं। उनकी सामग्री स्थानीय दर्शकों के लिए अधिक भरोसेमंद और भरोसेमंद है। विशेष रूप से, 47 प्रतिशत ब्रांड लागत प्रभावी अभियानों और बेहतर जुड़ाव के लिए सूक्ष्म और नैनो प्रभावशाली लोगों के साथ सहयोग करना पसंद करते हैं।

**क्षेत्रीय रचनाकारों के लिए आर्थिक अवसर**

निर्माता अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। 2023 से 2030 तक बाजार का आकार 22 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ने की उम्मीद है।

यह विकास दर क्षेत्रीय रचनाकारों के लिए प्रचुर अवसरों का प्रमाण है, जो उन्हें स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान करते हुए अपनी सामग्री का मुद्रीकरण करने में सक्षम बनाता है। आशाजनक वृद्धि के बावजूद चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

छोटे शहरों में कई रचनाकारों को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादन संसाधनों या ब्रांड भागीदारी तक अधिक पहुंच की आवश्यकता हो सकती है।

हालाँकि, जैसे-जैसे डिजिटल बुनियादी ढांचे में सुधार होता है और ब्रांड क्षेत्रीय प्रभावशाली लोगों के मूल्य को पहचानना जारी रखते हैं, इन बाधाओं के दूर होने की संभावना है। क्षेत्रीय सामग्री निर्माताओं का उदय भारत के प्रभावशाली विपणन पारिस्थितिकी तंत्र को नया आकार दे रहा है।

स्थानीय भाषाओं और संस्कृतियों का लाभ उठाकर, ये प्रभावशाली लोग न केवल अपने लक्षित दर्शकों तक ब्रांड संदेश ले जा रहे हैं, बल्कि पूरे देश में सामग्री निर्माण का लोकतंत्रीकरण भी कर रहे हैं।

क्षेत्रीय सामग्री निर्माताओं का उदय भारत के प्रभावशाली विपणन परिदृश्य को बदल रहा है। स्थानीय दर्शकों के साथ उनकी मूल भाषाओं और संस्कृतियों में जुड़कर, ये प्रभावशाली लोग गैर-महानगरीय बाजारों तक ब्रांडों की पहुंच का विस्तार कर रहे हैं। जैसे-जैसे क्षेत्रीय सामग्री की खपत बढ़ती है, ब्रांड लागत प्रभावी, भरोसेमंद और भरोसेमंद जुड़ाव हासिल करने के लिए सूक्ष्म और नैनो प्रभावशाली लोगों के साथ तेजी से साझेदारी कर रहे हैं।

उत्पादन संसाधनों तक सीमित पहुंच जैसी चुनौतियों के बावजूद, बढ़ती निर्माता अर्थव्यवस्था महत्वपूर्ण आर्थिक अवसर प्रदान करती है। जैसे-जैसे डिजिटल बुनियादी ढांचे में सुधार होगा, क्षेत्रीय प्रभावशाली लोग आगे बढ़ते रहेंगे, सामग्री निर्माण को नया आकार देंगे और पूरे देश में अपनी पहुंच बढ़ाएंगे।

# सॉफ्ट हिंदुत्व के साथ विकास का कॉकटेल

**इस पर आप ने गहलोत पर आक्रामक रुख अख्तियार करते हुए कहा कि कांग्रेस का असली चेहरा सामने आ चुका है। कांग्रेस और भाजपा मिली हुई हैं। दिल्ली में विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन अन्य राज्यों के चुनावों की तरह फिर बिखर गया। इसके अलावा इंडिया गठबंधन के घटक दल भी आप के समर्थन में हैं। अल्पसंख्यक वोट बैंक के कारण कांग्रेस की मजबूरी यह भी है कि आप की तरह सॉफ्ट हिंदुत्व का कार्ड नहीं खेल सकती**

हिंदुत्व के रथ पर सवार होकर सत्ता के शीर्ष तक पहुंची भारतीय जनता पार्टी की इस राजनीतिक पैंतरेबाजी को आम आदमी पार्टी (आप) ने भी लपक लिया। दिल्ली विधानसभा में लगातार तीसरी बार सत्ता में आने के लिए आप कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहती। आप के नेताओं को लगता है कि हिंदुत्व का इस तरह समर्थन करने से भाजपा के लगाए भ्रष्टाचार के आरोपों के प्रचार को कमजोर किया जा सकता है, जिसके कारण आप के कई नेता जेल में भुगत कर आए हैं। भाजपा विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल के शीशमहल, शराब घोटाले सहित अन्य मामलों को प्रचार का मुद्दा बनाए हुए है। दरअसल आप को समझ में आ गया कि इस देश में सिर्फ विकास के कार्यों से ही सत्ता हासिल नहीं की जा सकती। यही वजह है कि आप ने भाजपा के हिंदुत्व के एजेंडे में सेंध लगा दी। अब भाजपा की मजबूरी यह है कि चाह कर भी इस मुद्दे पर आप का विरोध नहीं कर सकती। भाजपा के सॉफ्ट हिंदुत्व का मुकाबला कांग्रेस नहीं कर सकी। जिसे कांग्रेस भुनाने में नाकामयाब रही, उसे आप ने कर दिखाया। आप ने भाजपा की दिल्ली मंदिर प्रकोष्ठ यूनिट में सेंध लगाई है। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कई धर्मगुरुओं को आम आदमी पार्टी की सदस्यता दिलवाई और भगवा गमछा पहनाकर स्वागत किया। भाजपा के मंदिर प्रकोष्ठ के 100 से ज्यादा सदस्यों ने केजरीवाल की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आप का दावा है कि पूरी दिल्ली के पुजारी हमारा समर्थन कर रहे हैं और हमें आशीर्वाद दे रहे हैं। इससे पहले आप ने चुनाव जीतने पर पुजारी और ग्रंथियों को हर महीने 18 हजार रुपए वेतन देने की घोषणा की थी। केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी जो कहती है, वो करती है। भले हम ऐलान करने में थोड़ी देरी कर दें, लेकिन अगर एक बार ऐलान कर देते हैं तो पीछे नहीं हटते हैं। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने जैसे महिला सम्मान और संजीवनी योजना को पुलिस भेजकर रोकने की कोशिश की, वैसे इसको रोकने की कोशिश न करे, पाप लगेगा। दिल्ली भाजपा ने केजरीवाल की घोषणा की आलोचना करते हुए कहा है कि केजरीवाल ने मंदिर और गुरुद्वारों के बाहर शराब के ठेके खोले और उनकी पूरी राजनीति हिंदू विरोधी रही है। भाजपा के रोहिणी से विधायक विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से इमामों को खुश करने के लिए हर महीने 18000 वेतन देने वाली आप की सरकार को चुनावी मौसम में अब पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों की याद आई है। जब 10 साल तक मौलवियों को वेतन देने की बात कही, तब पुजारी और ग्रंथियों की याद नहीं आई। गौरतलब यह है कि भाजपा ने केजरीवाल और आप को हिंदुत्व को लेकर कटघरे में खड़ा करने का प्रयास बेशक किया हो, किन्तु योजना को गलत बताने या चुनाव जीतने पर इसे बंद करने की घोषणा का साहस नहीं दिखा सकी। मुफ्त पानी-बिजली और स्कूल जैसी लोकलुभावन घोषणाओं से आप लगातार दो बार भाजपा और कांग्रेस को दिल्ली विधानसभा चुनाव में मात देती रही है। भाजपा ने पहले नरम हिंदुत्व को चुनावी हथियार बनाया और बाद में इसे विकास की तरफ मोड़ दिया। इसके विपरीत आप ने पहले विकास और अब इसके साथ सॉफ्ट हिंदुत्व को जीत का मोहरा बनाया है। भाजपा ने अयोध्या मुद्दे को चुनाव में भुनाने में कसर नहीं छोड़ी। लंबे अर्से तक भाजपा मंदिर मुद्दे पर विपक्षी दलों को कटघरे में खड़ा करती रही। इतना ही नहीं, विपक्षी दलों को अयोध्या मंदिर के निर्माण और उद्घाटन पर नहीं आने पर हिंदुत्व विरोधी होने का आरोप लगाया।

# उच्च शिक्षा में गुणवत्ता का सवाल : विजय गर्ग

विजय गर्ग

भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर लंबे समय से विचार-विमर्श होता रहा है। आर्थिक उदारीकरण के बाद, गुणवत्ता की परिभाषा आर्थिक कारकों और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के प्रभाव से परिवर्तित हुई है। पारंपरिक रूप से, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना तथा उन्हें आजीवन सीखने के लिए तैयार करना रहा है। हालांकि, वर्तमान सामाजिक आर्थिक परिस्थितियों में इस अवधारणा को स्पष्ट करना तथा उसे प्राप्त करना और जटिल होता जा रहा है यह एक चुनौती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में शिक्षा की पहुंच, समानता और गुणवत्ता जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया है। हालांकि, इसमें कुछ विरोधाभास भी दिखते हैं। एक ओर यह सभी शिक्षार्थियों के लिए सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना समान पहुंच पर जोर देती है। वहीं दूसरी ओर इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निजी परोपकारी प्रयासों पर निर्भरता जताती है, जिससे इसकी समावेशिता और व्यवहार्यता को लेकर गंभीर चिंता पैदा होती है।

शिक्षा में 'गुणवत्ता' की अवधारणा बहुआयामी है इसमें व्याख्यान, शिक्षक, पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या की संरचना, छात्रों की गुणवत्ता, शैक्षणिक संस्थान, परीक्षा प्रक्रिया का प्रबंधन और संस्थागत सुविधाओं की पर्याप्तता सहित कई पहलू समाहित हैं। इन सभी कारकों का सम्मिलित प्रभाव शिक्षा की समग्र गुणवत्ता निर्धारित करता है। शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना विवादास्पद काम रहा है। इसमें यह विचार करना कठिन होता है कि शिक्षण विधियों और पाठ्यचर्या में कितनी प्रौद्योगिकी शामिल की जाए। अगर शिक्षकों को पर्याप्त बुनियादी ढांचा, वित्तीय सहायता, पुस्तकालयों और र अनुसंधान सुविधाओं जैसे संसाधन प्रदान किए जाएं तथा उन्हें अत्यधिक प्रशासनिक कार्यों से मुक्त रखा जाए, तो वे शिक्षण पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। अपनी शिक्षण विधियों में नवाचार ला सकते हैं। ऐसी। परिस्थितियों में 1 में, गुणवत्ता स्वाभाविक से सुधरती है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का उद्देश्य सभी विद्यार्थियों के सामाजिक, मानसिक, शारीरिक और संज्ञानात्मक विकास पर केंद्रित होता है, जो लिंग, नस्ल, जातीयता, सामाजिक-आर्थिक स्थिति या भौगोलिक स्थिति की परवाह किए बिना समान अवसर प्रदान करता है।

यूरोपीय चिंतक वान केमेनेड और उनके सहयोगियों के अनुसार, शिक्षा की गुणवत्ता को चार मुख्य बिंदुओं से समझा जा सकता हैः उद्देश्य मानदंड, विषय और मूल्य शिक्षा का लक्ष्य क्या है? किस प्रकार का ज्ञान और कौशल प्रदान करना है ? गुणवत्ता की को मापने के लिए क्या पैमाने मानदंड हैं? किस विषय या क्षेत्र में गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जा रहा है? शिक्षा में किन मूल्यों महत्त्व दिया जाता है? इन बिंदुओं से पता चलता है कि शिक्षा की गुणवत्ता को समझना कितना जटिल है, क्योंकि ये अलग-अलग परिस्थितियों और लक्ष्यों के अनुसार बदलते रहते हैं। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता को परिभाषित करना और उसका मूल्यांकन करना चुनौती बना हुआ है। अक्सर हम आंकड़ों का इस्तेमाल करते हैं, जो देखने में तो निष्पक्ष लगते हैं, लेकिन वास्तव में उनके चुनाव या बहिष्कार मैं कहीं न कहीं व्यक्तिपरकता होती है ये तरीके गुणवत्ता की सही तस्वीर नहीं दिखाते और अनजाने में संस्थानों तथा विद्यार्थियों के लिए नुकसानदायक भी हो सकते हैं। इसलिए शिक्षा में गुणवत्ता को समझने के लिए हमें एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए जो सभी पहलुओं पर विचार करे। उच्च शिक्षा और जीवन-वृत्ति परिणामों का आपस में संबंध एवं गुणवत्ता की चर्चा को और पेचीदा बना देता है। अगर किसी स्नातक को नौकरी नहीं मिलती या उसकी जीवन-वृत्ति में तरक्की नहीं होती, तो आवश्यक नहीं कि यह उच्च शिक्षा की कमियों का नतीजा हो। इसकी वजह व्यापक आर्थिक चुनौतियां हो सकती हैं, बढ़ती संख्या में स्नातकों के लिए पर्याप्त रोजगार सृजन की कमी भी हो सकती है। हालांकि

उच्च शिक्षा तक पहुंच का विस्तार महत्त्वपूर्ण है, लेकिन समानता और सामर्थ्य की दोहरी चिंताओं को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। आज के समय में, छात्र और उनके परिवार सिर्फ उच्च शिक्षा के अवसर नहीं, बल्कि कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, जिसमें सभी के लिए समान अवसर हों, की अपेक्षा करते हैं। यह कोई गलत भी नहीं। शिक्षा के समान अवसर तो मिलना ही चाहिए

इसके अलावा, आजकल विपणन और रैंकिंग के जरिए गुणवत्ता के बारे गलत धारणाओं का बढ़ता रुझान इन चुनौतियों को और बढ़ाता है। गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए जो नीतिगत हस्तक्षेप किए जाते हैं, वे अक्सर 'मध्यमता के समुद्र' में अलग-थलग 'उत्कृष्टता के द्वीप' पैदा करते हैं, जो प्रणालीगत सुधार लाने में विफल रहते हैं। गुणवत्ता एक जटिल परिघटना है, जिसे किसी आसान सूत्र में बांधा जा सकता। इसे समझने की जरूरत है। परंपरागत रूप से, सीटों की संख्या के मुकाबले आवेदकों की संख्या जैसे कुछ मापदंडों का इस्तेमाल उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता दिखाने के लिए किया जाता रहा है। मगर मापदंड कार्यक्रम की लोकप्रियता को ज्यादा महत्त्व देकर विशिष्टता और अभिजात्यवाद को बढ़ावा दे सकते हैं। योग्यता के आधार पर होने वाली चयन प्रक्रियाएं अक्सर उन छात्रों को अधिक फायदा पहुंचाती हैं, जो सामाजिक और आर्थिक रूप से संपन्न परिवारों से होते हैं। इससे असमानता बनी रहती है और जो लोग हाशिये पर हैं, उनके लिए उच्च शिक्षा तक पहुंच सीमित हो जाती है। इसके अलावा, अगर हम सिर्फ आर्थिक आधार पर गुणवत्ता मापने पर जोर देते देते हैं, तो उन सूक्ष्म सामाजिक और आर्थिक कारकों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो छात्रों के परिणामों को प्रभावित करते हैं। इससे एक ऐसा दुश्चक्र बन बन जाता है, जहां विशेषाधिकार प्राप्त पृष्ठभूमि के छात्रों के होने की संभावना ज्यादा होती है और उच्च शिक्षा में असमानता बनी रहती है। मूल्यांकन एवं सफल

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और राष्ट्रीय प्रत्यायन परिषद (नैक)। जैसे संगठनों द्वारा अपनाए गए समग्र गुणवत्ता मापदंडों ने हमेशा इन जटिलताओं को समझने और सुधारने की की कोशिश की है, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी प्रभावशीलता कम होती जा रही है। यह चिंता की बात है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के केंद्र में शिक्षकों का बहुत बड़ा योगदान है। इसलिए सक्षम शिक्षकों। की नियुक्ति और उन्हें बढ़ावा देना जरूरी है, ताकि छात्रों को सार्थक सीखने के विधियों के अनुभव मिल सकें। शिक्षकों को नवाचार करने और ऐसी शिक्षण का इस्तेमाल करने के लिए सहायता मिलनी चाहिए, जो आलोचनात्मक सोच और समग्र विकास को बढ़ावा दें। शिक्षकों की शिक्षण दक्षता के तरीके को और बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना जरूरी है। शिक्षकों की शिक्षण गुणवत्ता को सुधारने के लिए पाठ्यक्रम और व्यवस्था को आज के समय के अनुरूप प्रासंगिक और असरदार बनाने की आवश्यकता है।

शिक्षा में सार्थक सुधार के लिए, यांत्रिक शिक्षण पद्धति से हट कर, हमें ऐसे तरीकों को अपनाना होगा, जिनमें छात्र सक्रिय रूप से भाग लें और संवादात्मक शिक्षण विधियों का प्रयोग अनिवार्य हो। शिक्षकों को केवल निर्देश देने के बजाय वास्तविक रूप से सीखने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, इसमें विद्यार्थियों की अंतर्निहित क्षमताओं का विकास, रचनात्मकता को बढ़ावा और सामाजिक जिम्मेदारी का संवर्धन शामिल है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण होना चाहिए, जो समाज में सार्थक योगदान दे सकें। वे मानवीय और संवेदनशील हों। इन व्यापक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करके ही शिक्षा की वास्तविक गुणवत्ता प्राप्त की जा सकती है।

**सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब**

# किसानों को बजट में बड़ी राहत देने की तैयारी में सरकार, क्रेडिट कार्ड पर ₹ 5 लाख के उधार की उम्मीद

बजट 2025 में सरकार किसानों के लिए बड़ी राहत लेकर आ सकती है। जानकारों के अनुसार, सरकार आगामी बजट में किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट 3 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए तक करने की योजना बना रही है। इस बारे में क्या अपडेट हैं, आइए जानें।

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार 1 फरवरी को केंद्रीय बजट 2025-26 संसद में पेश करने की तैयारी कर रही है। इस बजट में सरकार किसानों के लिए बड़ी राहत लेकर आ सकती है। सरकार आगामी बजट में किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट 3 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए तक करने की योजना बना रही है। जानकारों का कहना है कि, किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट में आखिरी बार बदलाव काफी समय पहले हुआ था। इसके बाद से ही सरकार को इसे बढ़ाने की लगातार मांगें मिल रही थी।

**1988 में हुई थी किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत**

दरअसल, किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत 1998 में की गई थी। इसके तहत खेती और उससे जुड़ी गतिविधियों में लगे किसानों को 9 फीसदी ब्याज दर पर अल्पकालीन फसल ऋण दिया जाता है। सरकार किसानों को ब्याज पर 2 फीसदी छूट देती है और समय से अदायगी करने वाले किसानों के ब्याज में बतौर प्रोत्साहन 3 फीसदी कमी और कर दी जाती है। इस तरह किसानों को सालाना 4 फीसदी दर पर कर्ज मिल जाता है। इस योजना के तहत सक्रिय क्रेडिट कार्ड खातों की संख्या 30 जून, 2023 तक 7.4 करोड़ से अधिक थी और उन पर 8.9 लाख करोड़ रुपये का कर्ज बकाया था।

**कई साल से नहीं बढ़ी केसीसी पर उधारी की सीमा**

कृषि क्षेत्र से जुड़े जानकारों का कहना है कि, इन दिनों खेती की लागत बहुत बढ़ी है मगर किसान क्रेडिट कार्ड पर उधारी की सीमा कई साल से बढ़ाई नहीं गई। अगर सरकार ये दायरा में इजाफा करती है तो कृषि क्षेत्र में उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही कृषि आय बढ़ाने में मदद भी होगी। सरकार के इस कदम से किसानों की जीवनशैली में ही सुधार नहीं होगा, बल्कि बैंकिंग प्रणाली का जोखिम भी घटेगा क्योंकि किसान समय पर कर्ज चुका देंगे। क्योंकि किसान क्रेडिट कार्ड का उद्देश्य बड़ी जमीन वाले किसानों को ही नहीं बल्कि छोटी जोत वाले किसानों और पशुपालन एवं मत्स्य पालन जैसी गतिविधियों में लगे लोगों को भी अपने दायरे में लाना है।

**किसान क्रेडिट कार्ड से जुड़े अहम आंकड़े यहां जानें**

नाबार्ड के आंकड़ों के अनुसार अक्तूबर 2024 तक सहकारी बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने 167.53 लाख किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए गए थे। जिनकी कुल क्रेडिट लिमिट 1.73 लाख करोड़ रुपये थी। इसमें डेयरी किसानों के लिए 10,453.71 करोड़ रुपये क्रेडिट लिमिट के साथ 11.24 लाख कार्ड और मत्स्य पालकों के लिए 341.70 करोड़ रुपये क्रेडिट लिमिट के साथ 65,000 किसान क्रेडिट कार्ड शामिल हैं।

## क्या बजट में कर मुक्त आय का दायरा बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया जाएगा? मध्यम वर्ग को सरकार से है ये आस

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने बजट पूर्व चर्चाओं के दौरान बड़े बदलावों की मांग की है। संगठन ने मौजूदा छूटों को बरकरार रखते हुए कर-मुक्त आय सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने का प्रस्ताव रखा है। अगर सरकार यह फैसला लेती है, तो देश में बड़े तबके को इसका वित्तीय लाभ मिलेगा। बजट 2025 से लोगों को और क्या अपेक्षाएं हैं, आइए जानें।

केंद्रीय बजट 2025 नजदीक आ रहा है। महत्वपूर्ण कर सुधारों और आर्थिक राहत से जुड़े उपायों की उम्मीद भी बढ़ती जा रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी, 2025 को बजट करेंगी। मध्यम वर्ग इस बजट से अन्य प्रस्तावों के अलावा कर-मुक्त आय सीमा में इजाफे की उम्मीद कर रहा है। बजट से पहले कई संगठनों ने सरकार से इस बारे में फैसला लेने की अपील की है। ऐसे में सरकार बजट 2025 में इससे जुड़ा कोई बड़ा एलान कर दे तो, आश्चर्य नहीं होगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने बजट पूर्व चर्चाओं के दौरान बड़े बदलावों की मांग की है। संगठन ने मौजूदा छूटों को बरकरार रखते हुए कर-मुक्त आय सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने का प्रस्ताव रखा है। इसके अतिरिक्त, बीएमएस ने सरकार से 8वें वेतन आयोग का गठन करने और पेंशनभोगियों को पेंशन पर आयकर से छूट देने का आग्रह किया। कई अन्य व्यापारिक संगठनों ने भी इस तरह की मांग की है।

**क्या सरकार बजट 2025 में आयकर की सीमा बढ़ाने एलान करेगी?**

जानकारों को उम्मीद है कि सरकार कर मुक्त आय की सीमा को बढ़ाने से जुड़ा एलान बजट 2025 में कर सकती है। अन्य प्रमुख मांगों में मनरेगा कार्यक्रम का विस्तार कर प्रति वर्ष प्रति परिवार 200 कार्यदिवस उपलब्ध कराना, कृषि और संबद्ध उद्योगों के लिए प्रोत्साहन पैकेज लागू करना और जीएसटी रिफंड में तेजी लाना शामिल है। बीएमएस ने चीनी आयात पर निर्भरता कम करने के लिए एक व्यापक विनिर्माण रणनीति की आवश्यकता पर भी बल दिया।

**पेंशनभोगियों और श्रमिक कल्याण से जुड़े किन उपायों रहेगी नजर?**

बीएमएस ने ईपीएस-95 लाभार्थियों के लिए न्यूनतम पेंशन 1,000 रुपये से बढ़ाकर 5,000 रुपये करने की वकालत की है, तथा भविष्य में इसे सरकार के न्यूनतम वेतन के 50% के लक्ष्य के साथ परिवर्तनीय महंगाई भत्ते (वीडीए) से जोड़ने की वकालत की है। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना का विस्तार ईपीएस-95 पेंशनभोगियों तक करने तथा सार्वभौमिक वृद्धावस्था पेंशन शुरू करने का भी सुझाव दिया। श्रमिक कल्याण में सुधार के लिए भी कई सिफारिश की गई है। इसमें ग्रेच्युटी की गणना को बढ़ाकर साल में 30 दिन करना, बीड़ी और ठेका श्रमिक बोर्ड जैसे औद्योगिक बोर्डों का वित्त पोषण करना और नई पेंशन योजना (एनपीएस) की तुलना में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को प्राथमिकता देना शामिल है।

**सरकार से राहत मिलेगी या नहीं, 01 फरवरी को ही साफ होगी स्थिति**

केंद्रीय बजट आने में बस कुछ ही सप्ताह बचे हैं, मध्यम वर्ग और कर्मचारी समूह इन साहसिक प्रस्तावों पर सरकार की प्रतिक्रिया का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अगर ये उपाय अपनाए जाते हैं, तो इनसे लोगों को पर्याप्त वित्तीय राहत मिल सकती है। ये उपाय भारत के आर्थिक ढांचे को मजबूत कर सकते हैं। बजट 2025 इन अपेक्षाओं को पूरा करेगा या नहीं, इस पर 01 फरवरी 2025 को ही स्थिति साफ होगी।

## यात्रा में संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर रखेंगे ये प्रोडक्ट्स, पैकिंग में जरूर रखें साथ

आइए जानते हैं कि यात्रा के दौरान आप किन प्रोडक्ट्स को अपने साथ रख सकते हैं, जिससे सेहत का ध्यान रखते हुए ट्रिप का पूरा आनंद लिया जा सके।

यात्राएं वैश्विक संस्कृतियों और परंपराओं के ज्ञान में वृद्धि करती हैं। देश-दुनिया की विभिन्न संस्कृतियों का ज्ञान हमें यात्राओं-भ्रमण और देशाटन से होता है। यात्राओं पर जाते रहना न सिर्फ आपको मानसिक शांति प्रदान करता है साथ ही तनाव कम करने, मूड को ठीक रखने और नए अनुभवों, नए लोगों से मिलने का अवसर भी प्रदान करता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि सभी लोगों को जीवन में उमंग, उत्साह और विचारों को ताजगी देने के लिए यात्राएं जरूर करनी चाहिए। हालांकि यात्राएं जितनी रोमांचकारी होती है उतनी ही चुनौतियों से भरी होती है।

दरअसल, यात्रा के दौरान मौसम और सामाजिक परिवेश के अनुसार बदलता खान-पान स्वास्थ्य के लिए चुनौतियां पैदा करता है। जाहिर है ऐसे में यात्राओं की प्लानिंग करते वक्त उत्साह और आनंद के साथ सेहत को भी प्राथमिकता जरूर देनी चाहिए।

बहरहाल, जल्द ही हम नए साल में प्रवेश करने जा रहे हैं ऐसे में किसी पसंदीदा जगह की यात्रा कर इस साल को अलविदा कहा जाए और नए साल की शुरुआत की जाए। दिसंबर का ये महीना चूंकि देश के अधिकतर हिस्सों में कड़ाके की ठंड वाला होता है, इसलिए किसी भी यात्रा के पहले वहां के मौसम के बारे में जान लेना और उसी आधार पर अपनी सेहत को ठीक बनाए रखने की प्लानिंग करना बहुत आवश्यक है। अगर आप भारत या विदेशों में भी कहीं यात्रा की प्लानिंग कर रहे हैं तो पहले वहां के मौसम और ठंड की स्थिति के बारे में जानकारी इकट्ठा कर लें। ताकि उसी हिसाब से योजनाएं बनाकर अपनी यात्रा का पूरा आनंद लिया जा सके।

लंबी यात्रा के दौरान जेट लैग, थकान और संक्रामक बीमारियों से बचाव को लेकर पहले से ही सतर्कता बरतनी जरूरी है। सर्केडियन रिदम (सोने-जागने के समय में बदलाव) में बदलाव के कारण नींद पूरी न होने और इससे संबंधित कई तरह की दिक्कतों का तो जोखिम रहता ही है साथ ही गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और न्यूरोलॉजिकल समस्याएं जैसे सिरदर्द और चक्कर आने की दिक्कतें होना भी बहुत आम है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं- यात्रा के दौरान अपनी स्वास्थ्य से संबंधित जरूरी चीजें जैसे न्यूट्रिशन ड्रिंक्स, संक्रामक रोगों से बचाव की दवाएं, पोषक तत्वों से भरपूर चीजों को जरूर साथ रखें। ये आपकी यात्रा के दौरान सेहत को ठीक रखने में मददगार साबित हो सकती है।

आप अपनी सेहत का ख्याल रखने के लिए अमेजन से जरूरी प्रोडेक्ट्स आसानी से ऑर्डर कर सकते हैं। मसलब्लेज और एचके विटल्स के साथ-साथ, डाबर, ग्रिट्जो, हिमालया, द होल ट्रुथ, द गुडबग और बेबीऑर्गेनो सहित शीर्ष ब्रांड्स पर विंटर ऑफर भी चल रहे हैं। इनमें से कई प्रोडक्ट्स पर आप 40% तक की छूट भी प्राप्त कर सकते हैं।

आइए जानते हैं कि यात्रा के दौरान आप किन प्रोडक्ट्स को अपने साथ रख सकते हैं, जिससे सेहत का ध्यान रखते हुए ट्रिप का पूरा आनंद लिया जा सके। देश की अग्रणी स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन ब्रांड मसलब्लेज का बायोजाइम प्रोडेक्ट 50% अधिक प्रोटीन और 60% बेहतर BCAA सुनिश्चित करती है। इस प्रोडेक्ट में उच्चतम ग्रेड और अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता वाला व्हे प्रोटीन है। बायोजाइम व्हे मांसपेशियों की तेजी से रिकवरी में मदद करता है और पाचन संबंधी समस्याओं को भी ठीक करता है।

## काम की खबर : ढाई सौ रुपये से भी शुरू कर सकेंगे एसआईपी, जल्द जारी होंगे नियम

परिवहन विशेष न्यूज

कोई व्यक्ति चाहे तो 250 रुपये से भी एसआईपी यानी मासिक निवेश योजना के तहत बचत की शुरुआत कर सकता है। इस बारे में शेयर बाजार की नियामक एजेंसी सेबी की तरफ से जल्द ही विस्तृत दिशानिर्देश जारी किये जाने वाले हैं। यह जानकारी सेबी चेयरमैन माधबी पूरी बुच ने एक कार्यक्रम में दी। इसका मकसद शेयर बाजार में ज्यादा से ज्यादा घरेलू निवेशकों को आकर्षित करना है।

**नई दिल्ली।** अब यह बहुत ही जल्द ही संभव होने जा रहा हैर कि कोई व्यक्ति चाहे तो 250 रुपये से भी एसआइपी यानी मासिक निवेश योजना के तहत बचत की शुरुआत कर सकता है। इस बारे में शेयर बाजार की नियामक एजेंसी सेबी की तरफ से जल्द ही विस्तृत दिशानिर्देश जारी किये जाने वाले हैं।

यह जानकारी सेबी चेयरमैन माधबी पूरी बुच ने एक कार्यक्रम में दी। इसका मकसद शेयर बाजार में ज्यादा से ज्यादा घरेलू निवेशकों को आकर्षित करना है। इसका सकारात्मक फाइनेंशिएल इनक्लूजन पर भी होगा क्योंकि बाजार की तेजी का फायदा समाज के एक बड़े वर्ग को मिलेगा।

**एसआइपी के जरिए 26,459 करोड़ रुपये का निवेश**

सेबी के ताजे आंकड़े बताते हैं कि दिसंबर, 2025 में एसआइपी के जरिए निवेशकों ने कुल 26,459 करोड़ रुपये का निवेश किया है। नवंबर, 2024 में एसआइपी के जरिए 24,320 करोड़ रुपये का निवेश किया गया था। अगस्त, 2016 में हर महीने 3122 करोड़ रुपये का निवेश म्यूचुअल फंड में हो रहा था।

बुच ने कहा कि, "250 रुपये की एसआइपी की सीमा ना सिर्फ वास्तविकता बनेगी बल्कि इससे पूरे उद्योग (म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री) को काफी फायदा होगा। मेरा मानना है कि यह ज्यादा से ज्यादा लोगों को वित्तीय समावेशी कार्यक्रम में शामिल करने वाला भी होगा। यह अगले तीन वर्षों के दौरान भारतीय म्युचुअल फंड उद्योग को काफी बढ़ाने वाला होगा।"

**एआइ की वजह से ज्यादा से ज्यादा निवेश हो रहा**

उन्होंने कहा कि तकनीकी क्षेत्र में काफी प्रगति होने से अब लेन-देन की लागत को काम करना काफी संभव है और इस वजह से छोटे निवेश वाले वित्तीय उत्पाद भी लांच करना संभव हो रहा है। एआइ की वजह से ज्यादा से ज्यादा निवेश आवेदनों का बहुत ही कम समय में प्रोसेस करना संभव हो गया है। इस फैसले से कम आय वाले वर्ग या कम बचत करने वाले वर्ग में म्यूचुअल फंड का प्रसार हो सकेगा।

## EPS के तहत न्यूनतम पेंशन 7500 रुपये करने की मांग, पेंशनधारकों ने की वित्त मंत्री से मुलाकात

पेंशनधारकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने महंगाई भत्ते के साथ न्यूनतम पेंशन 7500 रुपये मासिक किये जाने समेत अन्य मांगों को लेकर शुक्रवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। बैठक के बाद राउत ने कहा कि वित्त मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि हमारी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। सरकार को आगामी बजट में 7500 रुपये न्यूनतम पेंशन और महंगाई भत्ता की घोषणा करनी चाहिए।

**नई दिल्ली।** कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की पेंशन योजना के दायरे में आने वाले पेंशनधारकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने महंगाई भत्ते के साथ न्यूनतम पेंशन 7,500 रुपये मासिक किये जाने समेत अन्य मांगों को लेकर शुक्रवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की।

कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) 95 राष्ट्रीय आंदोलन समिति (एनएसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राउत की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री से मुलाकात की। बैठक के बाद राउत ने कहा कि वित्त मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि हमारी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा।

**आम बजट एक फरवरी को संसद में पेश करेंगी वित्त मंत्री**

राउत के अनुसार, 'यह आश्वासन हमें उम्मीद देता है। सरकार को आगामी बजट में 7,500 रुपये न्यूनतम पेंशन और महंगाई भत्ता की घोषणा करनी चाहिए। इससे कम कुछ भी वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानजनक जीवन देने में विफल होगा।'

वित्त मंत्री सीतारमण वर्ष 2025-26 के लिए आम बजट एक फरवरी को संसद में पेश करेंगी। राउत ने मुलाकात से पहले संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय और राज्य सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू), निजी संगठनों, और देशभर के कारखानों से जुड़े 78 लाख से अधिक पेंशनधारकों की दुर्दशा का जिक्र किया।

**मुफ्त चिकित्सा उपचार की मांग को लेकर आंदोलन**

उन्होंने कहा कि पेंशनधारक सात-आठ साल से महंगाई भत्ता के साथ-साथ न्यूनतम पेंशन को 1,000 रुपये से बढ़ाकर 7,500 रुपये करने और पेंशनधारकों तथा उनके जीवनसाथी के लिए मुफ्त चिकित्सा उपचार की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। राउत ने दावा किया कि सरकार द्वारा 2014 में 1,000 रुपये न्यूनतम पेंशन की घोषणा के बावजूद अभी भी 36.60 लाख से अधिक पेंशनभोगी इससे कम राशि प्राप्त कर रहे हैं।

**ग्राहकों को निश्चित ब्याज दर वाले उत्पाद पेंश करें बैंक : आरबीआई**

आरबीआई ने शुक्रवार को कहा कि बैंकों को समान किस्त आधारित पर्सनल लोन खंड में अनिवार्य रूप से निश्चित ब्याज दर के उत्पाद पेश करने होंगे। समान मासिक किस्त (ईएमआइ) आधारित पर्सनल लोन खंड पर फ्लोटिंग ब्याज दर को रीसेट करने पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) में यह भी कहा गया है कि परिपत्र सभी समान किस्त आधारित व्यक्तिगत ऋणों को कवर करता है, भले ही ब्याज दर किसी बाहरी बेंचमार्क या आंतरिक बेंचमार्क से जुड़ी हो।

ऋणों की मंजूरी के समय, वार्षिक ब्याज दर/वार्षिक प्रतिशत दर (एपीआर), जैसा भी लागू हो, उसे ऋण समझौते में प्रकट किया जाना चाहिए। एफएक्यू में यह भी बताया गया है कि बैंकों और अन्य विनियमित संस्थाओं (आरई) को उधारकर्ता के साथ कब और कितनी बार संवाद करना चाहिए।

**वार्षिक ब्याज दर की जानकारी देनी होगी**

ऋण की अवधि के दौरान, बाहरी बेंचमार्क दर के कारण ईएमआइ/अवधि में किसी भी वृद्धि को सूचित किया जाना चाहिए। ऋण लेने वाले को त्रैमासिक विवरण प्रदान करना होगा, जिसमे कम से कम आज तक वसूले गए मूलधन और ब्याज, ईएमआइ राशि, शेष ईएमआइ संख्या और ऋण की अवधि के लिए वार्षिक ब्याज दर की जानकारी देनी होगी।

## भारत बिग डेटा की आधिकारिक सांख्यिकी के लिए बनी संयुक्त राष्ट्र समिति में हुआ शामिल

सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के बयान में कहा गया है कि बिग डेटा की आधिकारिक सांख्यिकी के लिए बनी समिति में भारत को शामिल किया गया है। समिति के सदस्य के रूप में भारत आधिकारिक सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए बिग डेटा और डेटा विज्ञान का उपयोग करने में वैश्विक मानकों और प्रथाओं को आकार देने में योगदान देगा। आइए इस बारे में जानें, साथ ही कारोबार जगत की अन्य खबरों से भी हों रू-ब-रू।

**नई दिल्ली।** भारत आधिकारिक सांख्यिकी के लिए बनी बिग डेटा और डेटा विज्ञान पर संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों की समिति (यूएन-सीईबीडी) में शामिल हो गया है। यह वैश्विक सांख्यिकीय समुदाय में भारत के बढ़ते कद का प्रमाण है। यूएन-सीईबीडी की स्थापना बिग डेटा के लाभों और चुनौतियों की जांच करने के लिए की गई थी। इसके कार्यों में सतत विकास लक्ष्यों की निगरानी और रिपोर्टिंग शामिल है।

सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के बयान में कहा गया है कि समिति के सदस्य के रूप में भारत आधिकारिक सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए बिग डेटा और डेटा विज्ञान का उपयोग करने में वैश्विक मानकों और प्रथाओं को आकार देने में योगदान देगा।

विशेषज्ञ समिति में भारत की सक्रिय भागीदारी, इसकी अग्रणी पहलों को उजागर करेगी, जिसमें डेटा इनोवेशन लैब की स्थापना और नीति निर्माण के लिए उपग्रह इमेजरी और मशीन लर्निंग जैसे वैकल्पिक डेटा स्रोतों की खोज शामिल है।

यह सदस्यता भारत के लिए बिग डेटा और डेटा विज्ञान में अपनी घरेलू प्रगति को अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ साझा करने का रणनीतिक अवसर है। यह डेटा डोमेन में परिवर्तनकारी पहलों का नेतृत्व करने की देश की क्षमता को प्रदर्शित करता है। भारत के पास बिग डेटा और उन्नत डेटा विज्ञान तकनीकों में आधिकारिक आंकड़ों के उत्पादन और प्रसार में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता है।

भारत का लक्ष्य आईओटी, उपग्रह इमेजरी और निजी क्षेत्र के डेटा स्ट्रीम जैसे गैर-पारंपरिक डेटा स्रोतों को एकीकृत करके अपनी सांख्यिकीय प्रक्रियाओं का आधुनिकीकरण करना, अनुमानों की सटीकता को बढ़ाना और नीति निर्माण और शासन के लिए महत्वपूर्ण डेटा की समय पर उपलब्धता को सक्षम करना है।

गोयल ने लहसुन व्यापारियों को कथित अवैध आयात से जुड़े मामले पर गौर करने का दिया आश्वासन

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लहसुन व्यापारियों को कृषि जिंस के अवैध आयात पर उनकी चिंताओं पर गौर करने का आश्वासन दिया है। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि लहसुन व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने 10 जनवरी को मंत्री से मुलाकात की और चीनी लहसुन के आयात के कारण किसानों और व्यापारियों के सामने आ रही कठिनाइयों को उजागर किया।

व्यापारियों के अनुसार, भारत में चीनी लहसुन प्रतिबंधित है, लेकिन इसे देश में लाया जा रहा है, जिससे किसानों और व्यापारियों को नुकसान हो रहा है, साथ ही लहसुन का बाजार भी बिगड़ रहा है।

व्यापारियों ने आरोप लगाया है कि चीनी आयात पर प्रतिबंध से बचने के लिए कुछ आयात अफगानिस्तान, ईरान और इराक के रास्ते किए गए। अधिकारी ने कहा, रमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उनकी याचिका की जांच करेगी और अवैध आयात के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान देश का लहसुन आयात 70 लाख डॉलर रहा। 2023-24 में यह 31.4 लाख डॉलर होगा।लगभग 80 प्रतिशत आयात अफ़गानिस्तान से हो रहा है। भारत के अन्य प्रमुख निर्यातकों में संयुक्त अरब अमीरात, ईरान और मिस्र शामिल हैं।

# भारत की ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा विश्व का सबसे बड़ा मुस्लिम देश, दुनिया में बढ़ी भारतीय हथियारों की डिमांड

विश्व भर में भारत में निर्मित हथियारों की धूम देखने को मिल रही है। इस बीच खबर है कि फिलीपींस के बाद इंडोनेशिया दूसरा देश हो सकता है जो भारत में बने ब्रह्मोस मिसाइल को खरीदे। विश्व का सबसे बड़ा मुस्लिम देश भारत के ब्रह्मोस मिसाइल का मुरीद हो गया है। बता दें कि इस वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत के राजकीय मेहमान इंडोनेशिया के राष्ट्रपति होंगे।

**नई दिल्ली।** विश्व भर में भारत में निर्मित हथियारों की धूम है। इस बीच खबर है कि फिलीपींस के बाद इंडोनेशिया चीन का दूसरा पड़ोसी हो सकता है जिसके पास भारत निर्मित ब्रह्मोस मिसाइल की क्षमता हो। ऐसा इसलिए क्योंकि इंडोनेशिया भी इस ब्रह्मोस मिसाइल का मुरीद हो चुका है।

दरअसल, भारत और इंडोनेशिया की सरकारों के बीच काफी लंबे अरसे से बातचीत चल रही थी, लेकिन अब वार्ता दूसरे स्तर पर पहुंच गई है। शुरूआत में ब्रह्मोस की कीमत को लेकर चिंतित इंडोनेशियाई सरकार के रक्षा मंत्रालय ने इस पर बात करने को तैयार हो गई है।

**भारत ने दिया आश्वासन**

जानकारी दें कि भारत की तरफ से भी इंडोनेशियाई पक्ष को इस बात का पूरा आश्वासन दिया गया है कि वह इसकी कीमत को लेकर उसकी संवेदनाओं का पूरा ख्याल रखेगा। भारत बहुत ही आसानी से कर्ज उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी करने को तैयार है।

दोनों देशों के बीच इस बारे में बातचीत होने से राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की आगामी भारत दौरे के दौरान गंभीर विमर्श होने की संभावना बन गई है। सुबियांतो इस वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत के राजकीय मेहमान होंगे। 1950 के बाद यह चौथा अवसर होगा जब इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत के गणतंत्र दिवस पर राजकीय मेहमान होंगे। इंडोनेशिया के साथ भारत के बेहद पुराने सांस्कृतिक व ऐतिहासिक संबंध है।

**मलेशिया की यात्रा पर भी जाएंगे सुबियांतो**

बता दें कि हाल ही में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम नरेन्द्र मोदी की सुबियांतो से द्विपक्षीय बैठक हुई थी। यहां बताते चलें कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत दौरे के बाद मलेशिया की यात्रा पर जाएंगे। हाल ही में पाकिस्तान की मीडिया में यह खबर प्रकाशित हुई थी कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत के दौरे के बाद सीधे पाकिस्तान जाएंगे। भारत की यह कूटनीति रही है कि वह विदेशी मेहमानों को अपनी जमीन से सीधे पाकिस्तान नहीं जाने का आग्रह करता है।

**पाकिस्तान नहीं जाएंगे सुबियांतो**

पूर्व में अमेरिका व खाड़ी देशों के प्रशासक भारत और पाकिस्तान का दौरा एक साथ करते थे, लेकिन भारत अब इसका विरोध करता है। संभवतः भारत के आग्रह को ध्यान में रख कर ही इंडोशनियाई राष्ट्रपति ने पाकिस्तान नहीं जाने का फैसला किया है। इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री साफरी समसोद्दीन ने हाल ही में इस बात का स्वीकार किया था कि भारत के साथ ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर बातचीत हो रही है। रक्षा मंत्री समसोद्दीन ने यह भी कहा था कि भारत के साथ रक्षा संबंधों के कई आयाम खुलने वाले हैं।

गौरतलब है कि दिसंबर, 2024 मे इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय से संबंधित एक उच्चस्तरीय टीम ने भारत का दौरा किया था। इस दौरान ब्रह्मोस को इंडोनेशिया के रक्षा जरूरतों के हिसाब से आंकने का काम किया गया था। सूत्रों का कहना है कि इंडोनेशिया की टीम ब्रह्मोस को इंडोनेशिया के लिए बिल्कुल सही करार दिया है।

**अपने वायु सेना को मजबूत करेगा इंडोनेशिया**

इंडोनेशिया अपने वायु सेना को भी मजबूत बनाने का अभियान शुरू किया है। बताते चलें कि रूस की मदद से तैयार इस मिसाइल सिस्टम को लेकर भारत की बातचीत विएतनाम से भी चल रही है। फिलीपींस, इंडोनेशिया और विएतनाम तीनों देश चीन के साउथ चीन सी में पड़ोसी देश हैं और इन तीनों के साथ चीन का विवाद चल रहा है।

## यंग फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने स्वर्गीय रंजन शौरी ट्रॉफी के लिए स्वर्गीय सरदारी लाल मक्कड़ क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी की

**सुषमा रानी**

क्रिकेट की विरासत जारी है क्योंकि यंग फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब (वाईएफसीसी) ने दो उत्साही क्रिकेट प्रेमियों का सम्मान करते हुए स्वर्गीय रंजन शौरी ट्रॉफी के लिए वार्षिक स्वर्गीय सरदारी लाल मक्कड़ क्रिकेट टूर्नामेंट की गर्व से घोषणा की है। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम को कैडेंस इंटरनेशनल द्वारा प्रायोजित किया गया था, जिसमें शीर्ष स्तरीय क्रिकेट प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया और दो दिग्गजों के जीवन का जश्न मनाया गया।

**महापुरूषों का सम्मान :** यह टूर्नामेंट शीर्ष क्रम के प्रतिष्ठित बल्लेबाज रंजन शौरी को श्रद्धांजलि है, जो एयर इंडिया और भारत भर के अन्य क्लबों के लिए खेले थे। 1980 के दशक के मध्य में रणजी ट्रॉफी के संभावित खिलाड़ी के रूप में, उनके पास अभी भी एयर इंडिया के लिए सबसे अधिक शतकों का रिकॉर्ड है। उनकी विरासत उनके बेटे, ध्रुव शौरी, जो विदर्भ का प्रतिनिधित्व करने वाला एक सक्रिय रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी है, के माध्यम से जीवित है।

इस कार्यक्रम में सरदारी लाल को भी याद किया गया, जिनके बेटे अमन मक्कड़, कडेंस इंटरनेशनल के सीईओ, वाईएफसीसी के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। क्रिकेट के प्रति अमन का अटूट जुनून उसके पिता के उत्साह को दर्शाता है, जो इस टूर्नामेंट को एक हार्दिक श्रद्धांजलि बनाता है।

1952 में स्थापित, यंग फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब दिल्ली के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित क्रिकेट संस्थानों में से एक है। 1974 से श्री आर.पी. शर्मा के नेतृत्व में, वाईएफसीसी ने दिल्ली और जिला क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के प्रीमियर डिवीजन में अपनी स्थिति मजबूत की है।

वाईएफसीसी युवा प्रतिभाओं को पोषित करने, छह साल की उम्र से पेशेवर कोचिंग शुरू करने और वित्तीय बाधाओं वाले खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए समर्पित है। क्लब का क्रिकेट सितारों को तैयार करने का एक उल्लेखनीय इतिहास है, जिसमें जयंत यादव और दीपक हुडा शामिल हैं, दोनों ने भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इसके लिए कल दिल्ली में दो मैच खेले गए।

# रघुवर दास ने दुबारा भाजपा की सदस्यता ग्रहण की, सरकार के खिलाफ होगा आन्दोलन, कार्यकर्ताओं से कहा "वी विल कम सुन"

**कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड-झारखंड**

**जमशेदपुर।** ओडिशा राज्यपाल पद से इस्तीफा देने के बाद रघुवर दास पुनः भाजपा में आज लौटे आये है । इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री सह झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की उपस्थित में ताजपोशी कर सदस्यता ग्रहण संपन्न हुआ । उन्होंने मौके पर भाजपा के कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि हमें 2025 में फिट एंड फाइटर की तरह काम करना है। छह माह बाद सरकार अपने वादे यदि पूरे नहीं करती तो सड़क से लेकर सदन तक भाजपा आंदोलन करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि वी विल कम सून... रघुवर दास की इस ऐलान से सूबे में सियासी तापमान बढ़ने के आसार हैं। रघुवर दास ने विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बाद सक्रिय राजनीति में लौटने के लिए पिछले साल 24 दिसंबर को ओडिशा के राज्यपाल के पद से इस्तीफा दे दिया था। रघुवर दास का भाजपा के राज्य मुख्यालय में पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र राय, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ समेत सैकड़ों समर्थकों की मौजूदगी में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर रघुवर दास ने कहा कि 1980 के बाद दूसरी बार पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर उन्हें खुशी हो रही है। वह लोगों की सेवा करेंगे। 2024 के विधानसभा चुनावों में प्रदेश अध्यक्ष से लेकर बूथ कार्यकर्ताओं तक सभी पार्टी सदस्यों ने ईमानदारी से कोशिश की लेकिन अपेक्षित नतीजे नहीं मिले। हमें निराश नहीं होना चाहिए। हम जल्द ही वापसी करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड की जनता ने गठबंधन सरकार को अपना जनादेश दिया है। हम जनादेश का सम्मान करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि सरकार लोगों से किए गए वादों को पूरा करेगी। हम उन्हें अपने वादों को पूरा करने के लिए दो-तीन महीने का समय देंगे। यदि सरकार ऐसा करने में विफल रहती है तो हम सड़कों पर उतरेंगे। हम इसके लिए अपना संघर्ष शुरू करेंगे ।

बता दें कि साल 2023 में ओडिशा के राज्यपाल उन्हें वनाया गया था तथा दुसरे खेमे को राजनीति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गयी थी । परन्तु 2024 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को करारा झटका लगा था। भाजपा केवल 21 सीटें में सिमट गयी । झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 56 सीटें जीतकर लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल की है । इन सबसे कहीं महत्वपूर्ण कारण योग्य लोगों को टिकट नहीं मिलना बताया जाता है ।

## विश्व गुरु का मान

' पंथ पंथ पर संघर्ष जिसका था आईना
कहानी में राष्ट्रवाद की जिसकी थी मिशाल
बड़े बड़े चौधरी देशों को सिखाया था पाठ
उन्होंने ही बढ़या विश्व गुरु का मान।
उन विवेकानंद जी के पंथ पर बड़े देश
उनका सपना हम युवा करें सार्थक
युवा भारत में फिर उनकी वाणी को आगे बढ़ना है
विश्व गुरु का मान बढ़ना है।
अब हमें ही थामना है राष्ट्र
क्योंकि इससे ही बढ़ेगा तिरंगे का सम्मान
युवा वर्ग की वहीं है पहचान
जिससे ही बढ़ेगा विश्व गुरु का मान।
उठो जागो सफलता के पहले हार मत मानों
युवा शक्तिशाली है वह भारत का भविष्य
स्वामी जी के विचारों को सभी को बताना है
अब हमें विश्व गुरु का मान बढ़ाना है ।।

लेखक हरिहर सिंह चौहान

## सांस तेरी-मेरी चल रही...!

ये तड़प ले आती है मेरे पास,
तू करता प्यार है बिन्दास।
क्या-क्या ख्वाब सजाये तूने,
रह गए कई अरमान अधूरे।
हम तो चले थे आसमाँ छूने,
धरती पे रह गए वो है नमूने।

तड़प ले आती है मेरे पास,
तू करता प्यार है बिन्दास।
कभी छोड़ना मत मेरा हाथ,
चाहत है मेरी रहे तेरा साथ।
न कर कभी ऐसी कोई बात,
हाँ, होती रहे यूँ ही मुलाकात।

तड़प ले आती है मेरे पास,
तू करता प्यार है बिन्दास।
कोई भी देख नहीं पा रहा हैं,
दिल में बन रहीं तेरी तस्वीर।
सांसों में सांस तेरी-मेरी चल रही,
जिन्दगी कब से ऐसी गुजर रहीं।

**संजय एम तराणेकर**

# सहदेव नायक हत्याकांड मामले में मृतक सहदेव की पत्नी ने पुलिस पर आरोप लगाया

**मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा**

**भुबनेश्वरः** सहदेव नायक हत्याकांड में संदेह। सहदेव की पत्नी पुलिस को घसीटकर लकड़ी की गाड़ी तक ले गयी। हत्या की साजिश में ब्राउन शुगर माफिया और पुलिस शामिल है। पहले पुलिस सहदेव को फंसाना चाहती थी। स्पेशल स्क्वाड की 8 सदस्यों की टीम देर रात किराए के मकान में घुस गई। पुलिस ने सीढ़ी के नीचे ब्राउन सिगरेट रखकर सहदेव को बांधने की साजिश रची थी ।तभी सीसीटीवी में दरार आ गई। डीसीपी से शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं। इस नृशंस हत्या के दो दिन बाद सहदेव की पत्नी ने पुलिस में शिकायत दर्ज करायी है। सहदेव ने झुग्गियों को नशे से मुक्ति दिलाने के लिए अभियान चलाया। पुलिस को दी गई संक्षिप्त जानकारी। ड्रग माफिया का बोलबाला था। इसलिए पुलिस ने पैसे पाने की उम्मीद में सहदेव को फंसाने की साजिश रची। इस सीसीटीवी विजुअल को ध्यान से देखिए। दरिंदे सहदेव को फंसाने के लिए पुलिस खुद भूरा धुआं कैसे डाल सकती है। जिसे देखकर सहदेव की बेटी ने पुलिस से सवाल किया।

सवाल उठता है कि अगर सहदेव ब्राउन सिगरेट का कारोबार रोकने की कोशिश कर रहा था तो पुलिस उसे फंसाने की कोशिश क्यों कर रही थी? केदारपल्ली बस्ती में भूरे तंबाकू के कारोबार के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार करने की हिम्मत पुलिस में क्यों नहीं हुई? या फिर पुलिस ड्रग डीलिंग की शिकायत करने वाले सहदेव को चुप कराना चाहती थी ?क्या सहदेव पुलिस और ब्राउन शुगर माफिया की लूट में भागीदार था? क्या चंदा के न मिलने पर पुलिस ने रची साजिश? या फिर पुलिस सहदेव को जेल में डालना चाहती थी? अगर पुलिस सहदेव के घर छापेमारी करने गयी थी तो महिला पुलिस क्यों नहीं गयी? सहदेव के घर पर छापेमारी करने वाला पुलिस अधिकारी कौन है? यदि ब्राउनी घर में पाया गया तो पुलिस ने उसे गिरफ्तार क्यों नहीं किया? तो पत्नी ने कहा कि सहदेव की हत्या में मास्टरमाइंड रामा नायक, नीलू नायक, सुशी नायक पुलिस से जुड़े हैं। नृशंस हत्या के 12 घंटे के भीतर हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया गया। कमिश्नरेट पुलिस ने मामले को अहम बता कर पल्ला झाड़ने की कोशिश की। पुलिस ने उस दिन सहदेव की शिकायत क्यों नहीं सुनी? क्या सीपी डीसीपी ने घटना में पुलिस की संदिग्ध संलिप्तता की जांच नहीं की. पुलिस की कार्यप्रणाली पर कई सवाल उठे हैं।

## मूवी रिव्यू: गेम चेंजर रेटिंग, 3 एंड हॉफ

### आम आदमी को सत्ता की खातिर मोहरा बनाने का खेल

**सुषमा रानी**

दो सो या दो हजार रु में एक वोट खरीदकर दो लाख से ज्यादा की कमाई करने वाले नेताओं और चुनावी सीजन में दारू, फूड और भी बहुत कुछ देकर वोट हासिल करने वाले भ्रष्ट और महाझूठे नेताओं की कथनी और करनी का पर्दाफाश करती गेम चेंजर साउथ के सुपर स्टार राम चरण की करीब 450 करोड़ से ज्यादा बजट में बनी डायरेक्टर शंकर की ऐसी फिल्म है जो कई ऐसे गंभीर मुद्दों को भी पूरी ईमानदारी के साथ पेश करती हैं वोट देना आज भी हर वोटर के लिए जरूरी क्यों नहीं, वोटर को मुफ्त का सब्जबाग़ दिखाकर उनका वोट पाने वाले नेताओं जैसे कई गंभीर मुद्दों पर बनी यह फिल्म आज हिन्दी के साथ साथ अन्य भाषाओं में भी करीब 2100 स्क्रीन्स में रिलीज हुई।

राम चरण की पिछली रिकॉर्ड हिट फिल्म RRR करीब पांच साल पहले आई और अब अपने कंधों पर टिकी इस फिल्म के साथ राम चरण ने वापसी की है ।

स्टोरी प्लॉट ।

मेरी नजर में यह

एक मसालेदार राजनीतिक थ्रिलर फिल्म हैं, कॉलेज का गुस्सैल स्टूडेंट राम ( राम चरण ) जब भी किसी पर अन्याय , जुल्म होता देखता है तो इसे सहन नहीं कर पाता , सामने वाले की फिर खैर नहीं, इसी कॉलेज में पढ़ने वाली ( कियारा आडवाणी ) को मन ही मन वह बहुत चाहता है राम के इस गुस्से की आदत को देख वह उसे अपने इसी गुस्से को समाज के हित और देश के विकास में लगाने को कहती है और फिर राम एक आई ए एस आफिसर बन जिले का कलेक्टर बनकर वापस आता है और यही से शुरू होती है नोट, गुंडागर्दी और मुफ्त का खेलने वाले नेताओं की राजनीति का एक ऐसा चक्रव्यूह जिसमें गरीब वोटर थोड़े लालच में अपना वोट इन्हीं नेताओं को देता है और चुनाव के बाद यही नेता इनका शोषण करते है। फिल्म में राम चरण को डबल अवतार है , बाप और बेटे दोनों की भूमिका में राम चरण ने दमदार एक्टिंग की है नजर आने वाले हैं। एस जे सूर्या की एक्टिंग काबिले तारीफ है , करीब पौने तीन घंटे की इस फिल्म में चार गाने है इन गानों की भव्यता और खूबसूरती का अंदाज आप इसी से लगा सकते है कि डायरेक्टर शंकर ने इन गानों को फिल्माने में 75 करोड़ रु खर्च कर दिए। कियारा आडवाणी फिल्म में बला की खूबसूरत लगी है लेकिन उनका किरदार कमजोर था और ना ही कियारा ने किरदार को अच्छे ढंग से निभाया ।की है। फिल्म 2000 से अधिक स्क्रीन पर रिलीज हुई लेकिन मेकर ने ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095 . newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी .आर .बी . एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023